website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 315 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 22 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत बना चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, हर दिन 6.7 करोड़ लोग ले रहे ईंधन – हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि करीब 6.7 करोड़ नागरिक प्रतिदिन फ्यूल स्टेशन पर ईंधन खरीद रहे हैं, जो कि देश की तेजी से बढ़ती आर्थिक क्षमता को दिखाता है। भारत की मजबूत ग्रोथ को लेकर पुरी ने कहा कि देश 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में विकास दर 7.8 प्रतिशत थी।

24,500 किलोमीटर लंबा गैस पाइपलाइन

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "भारत वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 5.5 मिलियन बैरल तेल की खपत करता है, जो इसकी बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के पैमाने को दर्शाता है।" केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत का गैस पाइपलाइन नेटवर्क फिलहाल जो 24,500 किलोमीटर लंबा है और व्यापक ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, इसका विस्तार 2030 तक 33,000 किलोमीटर तक किया जा रहा है।

देश में अब लगभग 8,300 सीएनजी स्टेशन

उन्होंने यह भी बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत 10.60 करोड़ से ज्यादा घरों को एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि 1.55 करोड़ घरों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) से जोड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "देश में अब लगभग 8,300 सीएनजी स्टेशन हैं जो रोजाना लाखों वाहनों की जरूरतें पूरी करते हैं।"

स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा की ओर भारत के प्रयासों पर जोर देते हुए, पुरी ने कहा कि 114 सीबीजी प्लांट चालू हैं, और ग्रीन हाइड्रोजन और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) परियोजनाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का एनर्जी सेक्टर 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर देश की प्रगति को गति दे रहा है।

इससे पहले, उन्होंने कहा था कि सरकार ने देश के 99 प्रतिशत अपतटीय क्षेत्र को तेल एवं गैस खोज के लिए खोल दिया है और कच्चे तेल के आयात बास्केट को पहले के 27 देशों से बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक कर दिया है।

दीपावली पर पीएम मोदी का संदेश: समाज में जलाएं सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता के दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में दीपावली का पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली पर देशवासियों के नाम पत्र लिखा। बता दें कि देशभर में 20 अक्टूबर को दीपावली का पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बाजारों में रौनक छाई रही और हाल के दिनों में लागू जीएसटी सुधारों का सकारात्मक असर देखने को मिला, जिससे उपभोक्ताओं को खरीदारी में राहत मिली। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपील का भी लोगों पर प्रभाव दिखा, जिसके चलते स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी को प्राथमिकता दी गई। लोगों ने उत्साह के साथ स्थानीय और स्वदेशी सामानों को अपनाकर त्योहार को और खास बनाया।

आइए, स्वदेशी अपनाएं और गर्व से कहें यह स्वदेशी है 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बनाएं

पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का जिक्र करते हुए लिखा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में एक नागरिक के तौर पर हमारा प्रमुख दायित्व है- हम देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाएं। हम स्वदेशी अपनाएं और गर्व से कहें ये स्वदेशी है। हम एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ाएं। हम हर भाषा का सम्मान करें। हम स्वच्छता का पालन करें। हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। भोजन में

तेल की मात्रा 10 प्रतिशत कम करें और योग को अपनाएं। ये सारे प्रयास हमें और गति से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा, दीपावली सिखाती है कि एक दीप दूसरे को जलाए तो उसका प्रकाश घटता नहीं, बढ़ता है

पीएम मोदी ने दीपावली पर्व का जिक्र करते हुए कहा कि यह त्योहार हमें यह भी सिखाती है कि जब एक दीप दूसरे दीप को जलाता है, तो उसका प्रकाश कम नहीं होता बल्कि और बढ़ता है। इसी भावना से, हमें भी इस दीपावली पर अपने समाज में, अपने आसपास, सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता के दीप जलाने हैं।

प्रभु श्रीराम हमें मर्यादा का पालन करना सिखाते हैं और साथ ही हमें अन्याय से लड़ने की भी सीख देते हैं

अयोध्या राम मंदिर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद ये दूसरी दीपावली है। प्रभु श्रीराम हमें मर्यादा का पालन करना सिखाते हैं और साथ ही हमें अन्याय से लड़ने की भी सीख देते हैं। इसका जीवंत उदाहरण हमने कुछ महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखा।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने मर्यादा का पालन भी किया और अन्याय का बदला भी लिया

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने मर्यादा का पालन भी किया और अन्याय का बदला भी लिया। इस बार की दीपावली इसलिए भी विशेष है क्योंकि देश के अनेक जिलों में, दूर-दराज के क्षेत्रों में पहली बार दीपावली के दीप जलेंगे। ये वो जिले हैं, जहां नक्सलवाद और माओवादी आतंक को जड़ से मिटा दिया गया है। बीते दिनों में हमने देखा है कि कैसे अनेक व्यक्ति हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हुए और उन्होंने देश के संविधान के प्रति आस्था जताई है। देश की ये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

पंजाब और हरियाणा में दीपावली के बाद हवा की गुणवत्ता की स्थिति 'गंभीर'

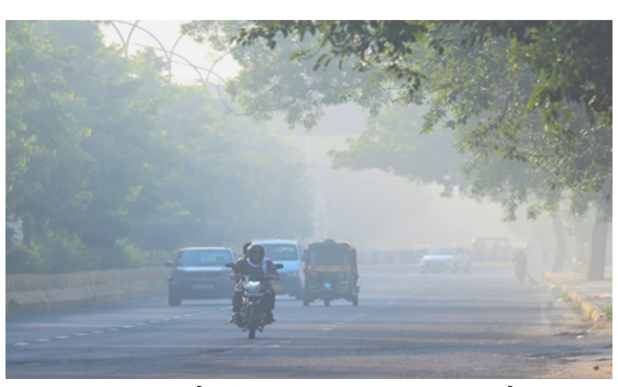

पंजाब (एजेंसी)। दीपावली के पावन पर्व के बाद दिल्ली पंजाब और हरियाणा के अधिकांश इलाकों में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब हो गई। मंगलवार को हवा की हालत इतनी खराब हो गई कि उसे 'गंभीर' और 'खतरनाक' माना गया। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) के मुताबिक, चंडीगढ़ में हवा की गुणवत्ता 'खराब' रही, जहां एक्यूआई 146 दर्ज किया गया। एक्यूआई का स्तर 0-50 'अच्छा', 51-100 'संतोषजनक', 101-200 'मध्यम', 201-300 'खराब', 301-400 'बहुत खराब', 401-450 'गंभीर' और 450 से ऊपर 'गंभीर प्लस' माना जाता है।

पंजाब के लुधियाना में एक्यूआई 209, अमृतसर में 225, जालंधर में 198, बठिंडा में 242 और पटियाला में 233 रहा

पंजाब के लुधियाना में एक्यूआई 209, अमृतसर में 225, जालंधर में 198, बठिंडा में 242 और पटियाला में 233 रहा। वहीं, हरियाणा में जो एक खेती वाला राज्य है, वहां फरीदाबाद में 247, सोनीपत में 343, करनाल में 201, भिवानी में 328, जींद में 247 और चरखी दादरी में 279 दर्ज किया गया।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण माना जाता है, जिसका असर दिल्ली-एनसीआर तक भी पहुंचता है

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण माना जाता है, जिसका असर दिल्ली-एनसीआर तक भी पहुंचता है। हालांकि, इस साल दोनों राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं पिछले वर्षों की तुलना में कम हुई हैं। बता दें, पंजाब में सोमवार को 45 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गईं, जो इस सीजन में 19 अक्टूबर को दर्ज 67 घटनाओं से कम हैं।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, तरनतारन और अमृतसर जिलों में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, तरनतारन और अमृतसर जिलों में सबसे अधिक मामले सामने आए।हरियाणा में 17 अक्टूबर तक 30 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज हुईं, जो पिछले साल की समान अवधि में 601 थीं। साल 2023 में 546, 2022 में 330 और 2021 में 1,026 मामले थे, जो दर्शाता है कि पराली जलाने की प्रथा में लगातार कमी आई है। जिला-वार आंकड़ों में जींद में सबसे अधिक नौ मामले, सिरसा और सोनीपत में चार, फरीदाबाद में तीन और कैथल, पानीपत, यमुनानगर में दो मामले दर्ज हुए।

प्रदूषण विशेषज्ञों का कहना है कि चंडीगढ़ में एक्यूआई बढ़ने का कारण पंजाब और हरियाणा से आने वाली हवाएं हैं, जो इन क्षेत्रों में प्रदूषण साथ लाती हैं

पुलिस स्मृति दिवस: रक्षा मंत्री ने वीरों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। यह दिवस 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले में शहीद हुए 10 वीर पुलिसकर्मियों की स्मृति में मनाया जाता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा और शांति बनाए रखने में पुलिस बल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "यदि आज नागरिक चैन की नींद सो पा रहे हैं, तो इसका श्रेय हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और जागरूक पुलिसकर्मियों को जाता है। यही भरोसा हमारे देश की स्थिरता और सुरक्षा की सबसे मजबूत नींव है।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नक्सलवाद की समस्या पर बात करते हुए कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से इस समस्या पर निर्णायक प्रहार किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले वर्ष मार्च तक नक्सलवाद की समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष कई शीर्ष नक्सलियों का सफाया किया गया है और कई उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर विकास की मुख्यधारा को अपनाया है। जिन जिलों में कभी नक्सलियों का आतंक था, वे अब शिक्षा और प्रगति के केंद्र बन रहे हैं। जो इलाके कभी लाल गलियारे के रूप में जाने जाते थे, वे अब विकास गलियारों में

परिवर्तित हो गए हैं।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि पुलिस बलों को अब अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों से सुसज्जित किया गया है। पुलिस बलों के पास अब उन्नत निगरानी प्रणाली, ड्रोन, आधुनिक फोरेंसिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल पुलिसिंग जैसी क्षमताएं मौजूद हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और इन संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग तभी संभव है, जब सभी सुरक्षा एजेंसियां मिलकर समन्वय के साथ कार्य करें। सरकार ने पुलिस बलों को अत्याधुनिक हथियारों, उपकरणों और सुविधाओं से सुसज्जित किया है। उन्होंने कहा कि अब पुलिस के पास उन्नत निगरानी प्रणालियां, ड्रोन, आधुनिक फोरेंसिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल पुलिसिंग जैसी अत्याधुनिक क्षमताएं उपलब्ध हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, "पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।" उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इन संसाधनों का इष्टतम उपयोग तभी संभव है, जब सभी सुरक्षा एजेंसियां बेहतर समन्वय और एकीकरण के साथ कार्य करें।

किसान खेत में सोलर पैनल लगाकर 25,000 यूनिट्स बिजली का प्रतिदिन कर रहा उत्पादन- केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय न्यू और रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान तेजी से इनोवेशन और क्लीन एनर्जी को अपना रहे हैं। इसके साथ केंद्रीय मंत्री ने एक सक्सेस स्टोरी भी साझा की और बताया कि कैसे एक किसान खेत में सोलर पैनल लगाकर 25,000 यूनिट्स बिजली का प्रतिदिन उत्पादन कर रहा है। इसके साथ ही, इन पैनल्स के नीचे खेती को भी जारी रखा है।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर लिखा, "ऊपर लगे सौर पैनलों से प्रतिदिन 25,000 यूनिट बिजली पैदा होती है, जबकि नीचे उन्हीं खेतों में हरी-भरी फसलें लहलहाती है। यह इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे भारत के किसान प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इनोवेशन और स्वच्छ ऊर्जा को अपना रहे हैं।"इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने इस वर्ष अप्रैल-सितंबर की अवधि में रिकॉर्ड 25 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है और लगभग 125 गीगावाट सौर क्षमता के साथ, भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "भारत ने अप्रैल-सितंबर 2025 (वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही) में रिकॉर्ड 25 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़कर स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उज्जवल और टिकाऊ भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाती है और इसके जरिए देश रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अपनी यात्रा को गति दे रहा है।"

वर्तमान में देश में स्थापित कुल बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जिससे भारत ने अपने रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्यों को निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही पूरा कर लिया है।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के 8वें सत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की सफलता की कहानी केवल संख्या की नहीं, बल्कि लोगों की है। यह आयोजन 27 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय राजधानी में होने वाला है।

समुद्र में फंसे तमिलनाडु के 30 मछुआरों के लिए सैटेलाइट फोन सेवा हुई बहाल

-वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने समुद्र में फंसे तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के 30 से अधिक मछुआरों के लिए सैटेलाइट फोन सेवा फिर से शुरू कर दी है। यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि दूरसंचार विभाग (DoT) और भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने इनमारसैट सैटेलाइट फोन सेवाओं को बहाल किया है, जिससे समुद्र में फंसे मछुआरों को अब संपर्क में रहने में मदद मिलेगी।

सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "यह जानकर खुशी हुई कि @BSNLCorporate और @DoT_India के हस्तक्षेप के बाद 30 से अधिक मछुआरों के लिए सैटेलाइट फोन सेवा बहाल कर दी गई है। निजी ऑपरेटर ने कई उपयोगकर्ताओं के लिए अस्थायी रूप से कनेक्टिविटी शुरू कर दी है, जिससे गहरे समुद्र में मौजूद लोगों से संपर्क संभव हो गया है।"

उन्होंने बताया कि मौसम अलर्ट अब अधिकांश मछुआरों तक पहुंच चुका है और वे सुरक्षित रूप से तट पर लौटने की तैयारी कर रहे हैं।

सीतारमण ने कहा कि बीएसएनएल और दूरसंचार विभाग निजी ऑपरेटर के साथ मिलकर बाकी मछुआरों के लिए भी जल्द सेवा बहाल करने पर काम कर रहे हैं। सीतारमण ने इस जानकारी को कन्याकुमारी के वल्लविलई गांव स्थित सेंट मेरी चर्च के फादर थॉमस को भी दिया।

उन्होंने कहा, "मेरे कार्यालय ने फादर थॉमस को सूचित किया है कि फोन सेवा बहाल हो गई है, जिस पर उन्होंने राहत और आभार व्यक्त किया।"

इससे पहले रविवार को वित्त मंत्री ने बताया था कि केंद्र सरकार समुद्र में खराब मौसम के कारण फंसे मछुआरों के लिए सैटेलाइट फोन सेवा बहाल करने पर काम कर रही है। उन्होंने फादर थॉमस से बात कर मछुआरों की स्थिति के बारे में जानकारी ली थी और कहा था कि यह मुद्दा भाजपा के मछुआरा प्रकोष्ठ द्वारा सबसे पहले उठाया गया था। इस बीच, भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने सलाह दी है कि मछुआरे 21 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य अरब सागर, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक, केरल तथा दक्षिण तमिलनाडु तटों के पास समुद्र में न जाएं। इसके अलावा, 22 और 23 अक्टूबर को दक्षिण-पश्चिम और पूर्व-मध्य अरब सागर में भी मछुआरों को समुद्र में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

पीएम मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची को चुनाव जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के बीच खास रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची

साने ताकाइची को मंगलवार को जापान की संसद में एक अहम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री चुना गया। यह चुनाव पुनः मतदान के जरिए हुआ था, जिसमें वह जीतकर जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। यह एक ऐतिहासिक पल माना जा रहा है क्योंकि जापान की राजनीति में पहली बार किसी महिला को यह पद मिला है।

जापान की संसद के दो सदन होते हैं, उच्च सदन और निचला सदन। दोनों सदनों ने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना है। उच्च सदन में उन्हें 125 वोट मिले, जो जरूरी बहुमत से केवल एक वोट ज्यादा था। निचले सदन में उन्हें 237 वोट मिले, जो जरूरी बहुमत से अधिक था।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट के जरिए ताकाइची को दी जीत की बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए ताकाइची को जीत की बधाई दी और कहा, "साने ताकाइची, जापान की प्रधानमंत्री चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई। मैं भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

हमारे गहरे होते संबंध हिंद-प्रशांत और उसके बाहर शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।"

साने ताकाइची का राजनीतिक सफर

साने ताकाइची का राजनीतिक सफर काफी दिलचस्प रहा है। वह पहले एक टीवी एंकर थीं और 1993 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जापान की निचली संसद की सदस्य बनीं। तब से वह लगातार राजनीति में सक्रिय रही हैं और अपने गृह क्षेत्र नारा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। 1996 में ताकाइची ने जापान की सत्ताधारी पार्टी, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) में शामिल होकर राजनीतिक मजबूती हासिल की। उनका कैबिनेट में पहला प्रवेश पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के नेतृत्व में हुआ था। तब वह ओकिनावा और उत्तरी क्षेत्रों के मामलों की मंत्री थीं। बाद में वह एलडीपी की नीति अनुसंधान परिषद की पहली महिला अध्यक्ष बनीं, जो उनके नेतृत्व कौशल का सबूत है।

2022 से 2024 तक ताकाइची जापान की आर्थिक सुरक्षा मंत्री रहीं। इसके अलावा, वह आंतरिक मामलों की मंत्री के तौर पर सबसे लंबे समय तक काम करने वाली मंत्री हैं।ताकाइची लंबे समय से एलडीपी की एक प्रभावशाली आवाज रही हैं। उन्हें शनिवार को 185 वोट मिलने के बाद एलडीपी का नेता चुना गया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी शिंजीरो को हराया, जिन्हें 156 वोट मिले। यह चुनाव काफी प्रतिस्पर्धात्मक था क्योंकि पहले राउंड में किसी उम्मीदवार को जरूरी बहुमत नहीं मिला था। अब साने ताकाइची को जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के कार्यकाल के बाकी बचे हिस्से को पूरा करना होगा, जो सितंबर 2027 तक चलेगा।

ताकाइची के समर्थन में पार्टी के 20 सांसदों में से एक और पूर्व न्याय मंत्री मिडोरी मात्सुशिमा ने कहा कि यह एक खुशी की बात है कि जापान को पहली महिला प्रधानमंत्री मिल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कई युवतियों और उन लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा जो राजनीतिक परिवार से नहीं आते और जिनका राजनीति से कोई वास्ता नहीं रहा।

जापान आर्थिक मंदी, बढ़ती महंगाई और मुद्रा येन के मूल्य में गिरावट जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इन चुनौतियों ने जनता पर दबाव बढ़ाया है और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की हाल की चुनाव हारों ने पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में, एलडीपी के सामने बड़ी जिम्मेदारी है कि वे पार्टी को एकजुट रखें, अल्पसंख्यक सरकार का कुशलता से संचालन करें और जनता को विश्वास दिलाएं कि वे स्थिर और प्रभावी शासन प्रदान कर सकते हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

त्योहारों की चमक के पीछे छिपा दर्द: प्रवासी मजदूरों की घर वापसी की जद्दोजहद

भारत एक ऐसा देश है जहां संस्कृति, परंपरा और त्योहार जीवन के हर रंग में घुले हुए हैं। दीपावली, ईद, होली या छठ — ये सिर्फ त्योहार नहीं बल्कि मिलन और अपनत्व के प्रतीक हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि इन पावन दिनों में वह अपने परिवार के साथ, अपने गांव-घर में रहकर खुशियां बांटे। लेकिन इस खुशी के बीच एक ऐसी हकीकत भी है जो चमकती रोशनी के पीछे छिपे अंधेरे को उजागर करती है। यह कहानी है उन लाखों प्रवासी मजदूरों की, जो अपने परिवार से कोसों दूर, रोटी की तलाश में परदेस में बसे हैं और त्योहारों पर घर लौटने की कोशिश में हर साल एक मुश्किल यात्रा से गुजरते हैं। गुजरात का सूरत, महाराष्ट्र का मुंबई, कर्नाटक का बेंगलूरु, तमिलनाडु का चेन्नई और पश्चिम बंगाल का कोलकाता जैसे शहर भारत की अर्थव्यवस्था के इंजन कहे जाते हैं। इन शहरों की रफ्तार को चलाने वाले पहिए वही प्रवासी मजदूर हैं, जो कपड़ा मिलों, निर्माण स्थलों, फैक्ट्रियों, होटलों और सेवा क्षेत्र में दिन-रात मेहनत करते हैं। लेकिन जब दीपावली या छठ पूजा आती है, तब यही मजदूर सबसे असहाय नज़र आते हैं। उन्हें अपने घर लौटने के लिए जो संघर्ष करना पड़ता है, वह आधुनिक भारत की विकास यात्रा पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। रेलवे स्टेशन पर उमड़ती भीड़, टिकट खिड़की पर मारामारी, और जनरल डिब्बों में सांस लेने तक की जगह न मिलना — यह सब हमारे सिस्टम की लापरवाही को उजागर करता है। एक तरफ सरकार 'विकसित भारत' का सपना दिखाती है, तो दूसरी तरफ ये मजदूर खुले आसमान के नीचे लाइन में खड़े होकर सिर्फ एक सीट की उम्मीद करते हैं। ट्रेनें ओवरलोड होकर चलती हैं, प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का माहौल रहता है और कई बार हादसे भी हो जाते हैं। इन परिस्थितियों में इंसान की गरिमा कहीं पीछे छूट जाती है। रेल मंत्रालय और प्रशासन हर साल इस समस्या से वाकिफ होते हुए भी पर्याप्त इंतज़ाम नहीं कर पाता। त्योहारी सीजन में कुछ विशेष ट्रेनों की घोषणा कर दी जाती है, लेकिन यात्रियों की संख्या इतनी अधिक होती है कि यह राहत ऊंट के मुंह में जीरे के समान साबित होती है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग में तकनीकी अड़चनें, दलालों का दबदबा और ग्रामीण यात्रियों की डिजिटल जानकारी की कमी स्थिति को और पेचीदा बना देती है। इन सबके बीच सबसे पीड़ादायक बात यह है कि ये मजदूर हमारे समाज का वह हिस्सा हैं, जिनकी मेहनत पर देश की अर्थव्यवस्था खड़ी है, फिर भी उनके लिए न तो यात्रा में सम्मान है, न ही व्यवस्था में संवेदना। दीपावली की रोशनी में जब शहर जगमगा रहे होते हैं, तब यही मजदूर ट्रेन की भीड़ में धक्के खाते हुए अपने गांव की ओर सफर करते हैं — सिर्फ इसलिए कि वे अपनी मां के हाथ के बने लड्डू खा सकें या अपने बच्चों को नए कपड़े पहनते देख सकें।

भू-राजनीति: अफगानी विदेश मंत्री का भारत दौरा — क्षेत्रीय समीकरणों में संभावित स्थायी बदलाव का संकेत

-भारत और तालिबान: एशिया की नई कूटनीतिक धुरी

दक्षिण एशिया की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में जितने तीव्र परिवर्तन आए हैं, वे इस क्षेत्र की स्थिरता, सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन के भविष्य को नई दिशा में मोड़ रहे हैं। 2021 में जब अमेरिका ने दो दशक बाद अफगानिस्तान से अपनी सेनाएँ वापस बुलाईं और तालिबान ने सत्ता पर पुनः कब्ज़ा किया, तब दुनिया ने सोचा था कि इस देश की कहानी एक बार फिर हिंसा, अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय अलगाव में सिमट जाएगी। लेकिन 2025 आते-आते तस्वीर पूरी तरह बदलती नज़र आ रही है। अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी का भारत दौरा इसी परिवर्तन की प्रतीक घटना बनकर उभरा है। यह यात्रा केवल "शिष्टाचार मुलाकात" नहीं, बल्कि एक नए दक्षिण एशियाई समीकरण की नींव रखने वाला क्षण है — ऐसा समीकरण, जिसमें भारत, तालिबान, चीन, पाकिस्तान और अमेरिका, सभी अपने हितों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

पृष्ठभूमि: भारत और तालिबान के रिश्तों की ऐतिहासिक दूरी

भारत और तालिबान के रिश्ते हमेशा जटिल रहे हैं। 1996 में जब पहली बार तालिबान ने अफगानिस्तान पर शासन स्थापित किया था, भारत ने उनके शासन को मान्यता नहीं दी थी। कारण स्पष्ट थे — तालिबान की विचारधारा पाकिस्तान-प्रेरित, कट्टरपंथी और भारत-विरोधी मानी जाती थी। उस समय आईसी-814 अपहरण प्रकरण (1999) ने भारत की जनता के मन में तालिबान के प्रति गहरा अविश्वास पैदा कर दिया था। कंधार में अपहृत विमान के यात्रियों की रिहाई के बदले आतंकियों को छोड़ने की घटना भारत की कूटनीतिक विवशता की मिसाल बनी। तब भारत ने महसूस किया था कि तालिबान केवल पाकिस्तान के हितों का विस्तार है। लेकिन 2021 के बाद

का तालिबान कुछ मायनों में भिन्न दिखा। सत्ता संभालने के बाद तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैधता पाने के लिए अपेक्षाकृत "राजनयिक" चेहरा दिखाने की कोशिश की। भारत ने भी यह समझा कि अफगानिस्तान की वास्तविकता से मुंह मोड़ना, अपने ही रणनीतिक हितों को सीमित करना होगा। इसी समझ के तहत नई दिल्ली ने धीरे-धीरे तालिबान से "कार्यात्मक संवाद" की नीति अपनाई — यानी मान्यता नहीं, मगर संवाद जारी।

मुत्ताकी की यात्रा: प्रतीकात्मक से ज्यादा व्यावहारिक

विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की यह भारत यात्रा केवल औपचारिक नहीं थी। यह एक ऐसा संदेश लेकर आई, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सोचने पर मजबूर कर दिया कि अब तालिबान की विदेश नीति नई दिशा में जा रही है। दिल्ली में मुत्ताकी की मुलाकातें केवल भारतीय अधिकारियों तक सीमित नहीं रहीं; उन्होंने कुछ पूर्व राजनयिकों, रणनीतिक विशेषज्ञों और व्यापारिक प्रतिनिधियों से भी विचार-विमर्श किया।

इस यात्रा के तीन प्रमुख आयाम हैं राजनयिक स्वीकार्यता का प्रयास: तालिबान को अब तक संयुक्त राष्ट्र या अधिकांश देशों से औपचारिक मान्यता नहीं मिली है। ऐसे में भारत जैसा बड़ा लोकतांत्रिक देश यदि संवाद की राह खोलता है, तो यह तालिबान के लिए "कूटनीतिक वैधता" की दिशा में बड़ा कदम है।

आर्थिक सहयोग की संभावना: भारत अफगानिस्तान में पहले से ही लगभग 3 अरब डॉलर की परियोजनाओं में निवेश कर चुका है — सड़कों, बांधों, स्कूलों, अस्पतालों और संसद भवन जैसी परियोजनाओं में। मुत्ताकी की यात्रा इन परियोजनाओं के पुनर्जीवन और नई साझेदारियों पर चर्चा का अवसर बनी।

क्षेत्रीय संतुलन की पुनर्रचना: पाकिस्तान-तालिबान संबंध अब पहले जैसे सहज नहीं रहे। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के साथ तालिबान सरकार के संबंधों ने इस्लामाबाद के साथ तनाव बढ़ा दिया है। भारत इस दूरी का कूटनीतिक लाभ उठाने की स्थिति में है।

अफगानिस्तान में भारत की सॉफ्ट पावर

भारत ने हमेशा अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में "सॉफ्ट पावर" यानी मानवीय और विकास आधारित कूटनीति का सहारा लिया है। काबुल में "इंदिरा गांधी अस्पताल", "सलमा बांध" (अफगान-भारत मैत्री बांध), और शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय छात्रवृत्तियाँ — ये सब अफगान जनता के बीच भारत की सकारात्मक छवि बनाते हैं। 2021 के बाद जब अधिकांश देशों ने काबुल में अपने दूतावास बंद किए, भारत ने सावधानी बरतते हुए "टेक्निकल मिशन" के रूप में सीमित उपस्थिति बनाए रखी। इसका संदेश साफ था — भारत किसी भी सूरत में अफगान जनता से संपर्क नहीं तोड़ेगा। मुत्ताकी की यात्रा इस सॉफ्ट पावर की पुष्टि है कि भारत को अफगानिस्तान के भविष्य में एक स्थायी भागीदार के रूप में देखा जा रहा है।

तालिबान की मजबूरियाँ: भारत की ओर झुकाव क्यों?

तालिबान का भारत की ओर झुकाव किसी अचानक बदलाव का परिणाम नहीं, बल्कि कई कारकों की उपज है।

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव: पाकिस्तान ने लंबे समय तक तालिबान को रणनीतिक "गहराई" (Strategic Depth) के रूप में इस्तेमाल किया। लेकिन अब स्थितियाँ उलट रही हैं। अफगान तालिबान, पाकिस्तान में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा, जिससे दोनों के बीच सीमा पर संघर्ष बढ़ा है। इस्लामाबाद बार-बार काबुल पर "आतंकी पनाहगाह" देने का आरोप लगाता है। ऐसे माहौल में तालिबान अपने कूटनीतिक विकल्पों का विस्तार करना चाहता है — और भारत उसके लिए एक विश्वसनीय, तटस्थ विकल्प बन सकता है।

आर्थिक संकट और निवेश की ज़रूरत: अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और विदेशी सहायता में कटौती के कारण अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। भारत की विकास परियोजनाएँ, दवाइयाँ, खाद्यान्न सहायता और व्यापारिक सहयोग तालिबान सरकार के लिए जीवनरेखा बन सकते हैं।

चीन पर निर्भरता का भय: चीन ने अफगानिस्तान में लिथियम, तांबा और खनिज संपदा के दोहन के लिए कई करार किए हैं। लेकिन बीजिंग की "ऋण-फंदा कूटनीति" और सुरक्षा को लेकर सख्त शर्तें तालिबान के लिए चिंता का विषय हैं। भारत के साथ जुड़ाव से तालिबान चीन पर पूर्ण निर्भरता से बच सकता है।

भारत की रणनीति: व्यावहारिक कूटनीति की ओर

भारत जानता है कि अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति एशिया के दिल में है — और वहां से दूरी बनाए रखना, अपने ही हितों को सीमित करना है। इसलिए नई दिल्ली अब "प्राग्मेटिक एंगेजमेंट" यानी व्यावहारिक संवाद की नीति पर काम कर रही है।

भारत की रणनीति चार स्तंभों पर आधारित है:

जनता-केन्द्रित सहायता जारी रखना: भारत मानवीय सहायता (दवाइयाँ, गेहूं, स्कूल सामग्री) भेजता रहा है।

यह सहायता सरकार नहीं, जनता से सीधे जुड़ाव का माध्यम है।

सुरक्षा सहयोग में सावधानी: भारत अभी तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दे रहा, परंतु अफगान भूमि से भारतीय हितों पर हमले न हों — इस हेतु सुरक्षा संवाद बनाए रखे हैं।

क्षेत्रीय मंचों पर समावेश: "मॉस्को फॉर्मेट", "हार्ट ऑफ एशिया" और "एससीओ (SCO)" जैसी बैठकों में भारत ने अफगानिस्तान पर समन्वय बढ़ाया है।

चीन-पाकिस्तान धुरी का संतुलन: भारत नहीं चाहता कि चीन और पाकिस्तान मिलकर अफगानिस्तान को अपनी "रणनीतिक बफर ज़ोन" में बदल दें। मुत्ताकी की यात्रा इस चिंता का प्रत्यक्ष जवाब कही जा सकती है।

अमरीका की चुनौतियां: चीन से आगे निकलने से पहले खुद पर भरोसा ज़रूरी

-कमज़ोर होता आत्मविश्वास, बढ़ती आंतरिक दरारें और बदलती वैश्विक राजनीति के बीच अमरीका को चाहिए आत्मसुधार और नई दिशा

पिछले एक दशक में अमरीका की वैश्विक भूमिका और उसकी आत्म-छवि दोनों में गहरी दरार दिखाई देने लगी है। कभी "दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र" के रूप में खुद को देखने वाला अमरीका आज अपने भीतर से असुरक्षित महसूस कर रहा है। उसके नागरिकों में अपने ही देश की शक्ति, योग्यता और नैतिकता को लेकर जो अटूट भरोसा हुआ करता था, वह अब कमजोर पड़ता जा रहा है। यह गिरावट केवल आर्थिक या सैन्य कारणों से नहीं, बल्कि उस वैचारिक संकट से उपजी है, जो राष्ट्र की आत्मा को भीतर से खा रहा है।

चीन नीति का ऐतिहासिक मोड़

करीब दस साल पहले अमरीका ने चीन के प्रति अपनी नीति में एक ऐतिहासिक मोड़ लिया था। शीत युद्ध के बाद से ही यह धारणा बनी रही थी कि अगर चीन के साथ व्यापार और संवाद को बढ़ाया जाए, तो वह स्वाभाविक रूप से उदार, लोकतांत्रिक और अमरीकी-प्रभावित वैश्विक व्यवस्था में शामिल हो जाएगा। लेकिन यह उम्मीद धीरे-धीरे गलत साबित हुई। बीजिंग ने आर्थिक उदारीकरण तो अपनाया, लेकिन राजनीतिक नियंत्रण को और मज़बूत किया। उसने वैश्विक मंचों पर अपनी पकड़ बढ़ाई, एशिया और अफ्रीका में निवेश के ज़रिए प्रभाव फैलाया और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेज़ी से प्रगति की। अमरीका ने जब यह देखा कि चीन "साझेदार" से ज़्यादा "प्रतिद्वंद्वी" बन रहा है, तो उसने अपने पुराने सोच को बदलने का निर्णय लिया। यह बदलाव डोनाल्ड ट्रंप के दौर में और स्पष्ट हुआ। ट्रंप ने चीन के प्रति वही कठोर रवैया अपनाया जिसकी कल्पना पहले किसी पारंपरिक अमरीकी राष्ट्रपति ने नहीं की थी। उन्होंने व्यापार युद्ध छेड़ा, चीन पर अनुचित व्यापार प्रथाओं और बौद्धिक संपदा की चोरी का आरोप लगाया, और "अमेरिका फर्स्ट" नीति के तहत बीजिंग के प्रभाव को सीमित करने की कोशिश की।

बाइडेन का दोहरा रुख – विरोध भी, सहयोग भी

जब जो बाइडेन सत्ता में आए, तो बहुतों को उम्मीद थी कि ट्रंप की कठोर नीतियों से दूरी बनाई जाएगी। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से बाइडेन प्रशासन ने चीन के प्रति वही सतर्क और कुछ हद तक कठोर रुख बनाए रखा। हालांकि, उनका तरीका अलग था – वे सीधा टकराव नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सहयोग दोनों का मिश्रण चाहते थे। उदाहरण के लिए, बाइडेन सरकार ने सेमीकंडक्टर निर्यात पर नियंत्रण तो जारी रखा, परंतु टिकटॉक पर कार्रवाई में नरमी दिखाई। ताइवान को लेकर बयानबाज़ी तो तेज़ रही, मगर वास्तविक नीति अपेक्षाकृत संयमित रही। यह रुख बताता है कि अमरीका अब खुला शीत युद्ध नहीं चाहता, बल्कि "रणनीतिक प्रतिस्पर्धा" की स्थिति बनाए रखना चाहता है।

'स्पुतनिक मोमेंट' का अभाव – राष्ट्रीय जागरण क्यों नहीं हुआ?

अमरीका में 1957 का "स्पुतनिक मोमेंट" एक ऐसा क्षण था, जब सोवियत संघ द्वारा उपग्रह लॉन्च किए जाने के बाद पूरा अमरीका एकजुट होकर विज्ञान, रक्षा और शिक्षा में सुधार के लिए जुट गया था। लेकिन चीन के उदय के बावजूद, पिछले दशक में ऐसा कोई क्षण नहीं आया जिसने अमरीकी जनता को झकझोरा हो। इसका मुख्य कारण यह है कि अमरीका और चीन के बीच पिछले तीन दशकों में जो गहरा आर्थिक-सामरिक एकीकरण हुआ है, उसे पलटना आसान नहीं। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से इतनी गुँथ चुकी हैं कि कोई भी कठोर कदम अमरीकी बाज़ार, कंपनियों और उपभोक्ताओं को चोट पहुंचा सकता है।

आर्थिक निर्भरता और रणनीतिक उलझन

चीन अब केवल "मैन्युफैक्चरिंग हब" नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) का केंद्रीय स्तंभ बन चुका है। अमरीकी कंपनियां, विशेष रूप से टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की, चीन पर भारी निर्भर हैं। ऐप्पल से लेकर टेस्ला तक – सबकी उत्पादन इकाइयां चीन में हैं या चीन पर निर्भर हैं। अगर अमरीका अचानक चीन से दूरी बनाता है, तो न केवल महंगाई बढ़ेगी, बल्कि रोज़गार और निवेश पर भी असर पड़ेगा। यही वजह है कि बाइडेन प्रशासन "डिकपलिंग" यानी पूर्ण आर्थिक अलगाव के बजाय "डि-रिस्किंग" यानी जोखिम घटाने की नीति अपना रहा है।

राजनीतिक ध्रुवीकरण – राष्ट्र की आत्मा पर चोट

चीन से निपटने की रणनीति से भी बड़ी चुनौती अमरीका के भीतर है – राजनीतिक ध्रुवीकरण। आज रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टियों के बीच वैचारिक खाई इतनी चौड़ी हो चुकी है कि किसी भी मुद्दे पर राष्ट्रीय सहमति बनाना कठिन हो गया है। कभी जो देश लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता था, वहां चुनावी प्रक्रिया पर अविश्वास, कैपिटल हिल पर हमला और नस्लीय तनाव आम बात बन चुके हैं। अमरीकी समाज में "हम बनाम वे" की भावना बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में चीन जैसी अनुशासित और केंद्रीकृत व्यवस्था वाले देश से प्रतिस्पर्धा करना और भी मुश्किल हो जाता है।

सैन्य और तकनीकी मोर्चे पर फिसलन

अमरीका अब भी दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है, लेकिन उसका आत्मविश्वास घटा है। चीन ने नौसेना, मिसाइल टेक्नोलॉजी और साइबर वारफेयर में आश्चर्यजनक प्रगति की है। साउथ चाइना सी में उसकी पकड़ मजबूत है, और वह कृत्रिम द्वीपों के जरिए अपनी रणनीतिक स्थिति को स्थायी बना चुका है। टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर भी चीन अब केवल "कॉपी करने वाला देश" नहीं रहा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और 5G नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में वह अमरीका को कड़ी टक्कर दे रहा है। यह प्रतिस्पर्धा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक भी है – यानी किस मॉडल को दुनिया अपनाएगी: लोकतंत्र या केंद्रीकृत नियंत्रण?

अमरीकी नागरिकों का घटता आत्मविश्वास

पिछले कुछ वर्षों में हुए सर्वेक्षण बताते हैं कि अधिकांश अमरीकी नागरिक अपने देश की दिशा से संतुष्ट नहीं हैं। उनकी नज़र में सरकार भ्रष्ट, नेतृत्व कमजोर और भविष्य अनिश्चित है। युवाओं में यह भावना और भी गहरी है – वे मानते हैं कि अमरीका अब "सपनों का देश" नहीं रहा, बल्कि असमानता और अवसरों की कमी से जूझता राष्ट्र बन गया है। इस मनोवैज्ञानिक गिरावट का असर विदेश नीति पर भी पड़ता है। जब जनता को अपने देश की नैतिक शक्ति और उद्देश्य पर भरोसा नहीं होता, तो वैश्विक नेतृत्व भी कमजोर पड़ता है।

संशय के घेरे में है अमेरिका–पाकिस्तान की 'खनिज डील'

-दुर्लभ खनिजों के नाम पर नया भू–राजनीतिक खेल शुरू?

पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति का रुख जिस तेजी से बदल रहा है, उसमें अब कोई भी समझौता केवल व्यापारिक नहीं रह जाता, बल्कि उसके पीछे रणनीतिक, सैन्य और भू-राजनीतिक अर्थ भी छिपे होते हैं। हाल ही में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच हुई एक रहस्यमय 'डील' ने इसी संदर्भ में नई बहस को जन्म दे दिया है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'डॉन' ने अपने खुलासे में बताया कि पाकिस्तान की सरकार ने नियोडिमियम, प्रेसीओडिमियम, एंटीमनी और कॉपर कॉन्संट्रेट जैसे दुर्लभ और रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण खनिजों की एक खेप अमेरिका को भेजी है। इस खबर का दिलचस्प पहलू यह है कि पाकिस्तान के भीतर या अमेरिका के किसी आधिकारिक चैनल से इस समझौते की घोषणा पहले नहीं हुई थी। जानकारी तब सामने आई, जब खनिज की खेप भेज दी गई और उस पर अमल शुरू हो गया। इससे स्वाभाविक रूप से कई तरह के सवाल उठे — क्या यह कोई साधारण व्यापारिक लेन-देन है या इसके पीछे कुछ और गहरे राजनीतिक अर्थ हैं?

समझौते के दोनों पक्ष: कौन हैं मुख्य किरदार?

'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते पर सितंबर 2025 में हस्ताक्षर किए गए। एक ओर है अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (US Strategic Metals – USSM), और दूसरी ओर पाकिस्तान की फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन (FWO) — जो पाकिस्तान की सेना की एक इंजीनियरिंग यूनिट है। यूएसएसएम का दावा है कि वह "सुरक्षित और स्वच्छ ऊर्जा भविष्य" बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और "रणनीतिक धातुओं" की खोज व पुनः उपयोग में कार्यरत है। यह कंपनी कोबाल्ट, निकल, तांबा और अन्य दुर्लभ धातुओं के खनन, परिशोधन और पुनर्चक्रण में अग्रणी मानी जाती है। वहीं एफडब्ल्यूओ (FWO) की स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी। इसे पाकिस्तान आर्मी का एक अर्ध-नागरिक, अर्ध-सैन्य संगठन कहा जा सकता है, जो पुलों, सड़कों और सीमावर्ती संरचनाओं के निर्माण के साथ-साथ देश के संवेदनशील परमाणु कार्यक्रमों में भी शामिल रहा है। 1980 के दशक से इस संगठन ने पाकिस्तान एटॉमिक एनर्जी कमीशन (PAEC) के साथ मिलकर कई परियोजनाओं पर काम किया है। यहां तक कि 'बाघलचूर प्रोजेक्ट' के

अंतर्गत परमाणु कचरे के प्रबंधन और 'खुशाब परमाणु परिसर' की निगरानी का जिम्मा भी इसी संस्था के पास बताया गया है — जो अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की निगरानी से बाहर है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए यह समझना कठिन नहीं कि जब एफडब्ल्यूओ जैसी सैन्य-संलग्न संस्था किसी विदेशी कंपनी के साथ समझौता करती है, तो वह केवल व्यापार नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदारी का संकेत देता है।

भेजे गए खनिज: क्या हैं ये और क्यों महत्वपूर्ण हैं?

अब बात उन चार प्रमुख खनिजों की — जिनका नाम रिपोर्ट में आया है। ये चारों ही खनिज आधुनिक तकनीकी, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र के लिए अत्यंत कीमती माने जाते हैं।

नियोडिमियम (Neodymium): यह एक दुर्लभ धातु है जिसका प्रयोग मैग्नेट, विंड टर्बाइन, इलेक्ट्रिक वाहनों, और हार्ड डिस्क ड्राइव्स में होता है। अमेरिका में 'ग्रीन एनर्जी' मिशन के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसलिए नियोडिमियम जैसी धातुओं की वहां भारी मांग है।

प्रेसीओडिमियम (Praseodymium): यह भी 'रेयर अर्थ मेटल' की श्रेणी में आती है और विमान इंजनों, ग्लास पॉलिशिंग, और परमाणु रिएक्टरों में उपयोग की जाती है। इसका उपयोग उच्च तापमान सहन करने वाले अलॉय (मिश्र धातु) बनाने में होता है।

एंटीमनी (Antimony): यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण धातु है, क्योंकि इसका उपयोग सेमीकंडक्टर, फायर-रेसिस्टेंट मटीरियल, और सबसे अहम गोला-बारूद तैयार करने में होता है। यानी इसका सैन्य उपयोग भी प्रत्यक्ष रूप से है।

कॉपर कॉन्संट्रेट (Copper concentrate): तांबे का यह सघन रूप इलेक्ट्रॉनिक्स, निर्माण, ऑटोमोबाइल और ऊर्जा क्षेत्र में उपयोगी होता है। यह विद्युत संचरण के लिए आवश्यक है और आधुनिक हथियार प्रणालियों में भी इसकी भूमिका बढ़ती जा रही है। इन खनिजों के संयोजन से यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान ने जो सामग्री अमेरिका को भेजी है, उसका उपयोग ऊर्जा सुरक्षा, उच्च तकनीक उत्पादन और सैन्य उपकरण निर्माण— तीनों ही क्षेत्रों में संभव है।

पाकिस्तान के अंदर क्यों उठ रहे हैं सवाल?

पाकिस्तान के विपक्षी दलों और कई विश्लेषकों ने इस समझौते पर सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि— यह सौदा पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया, इसमें सैन्य संस्थान की भूमिका संदिग्ध है, और यह संभव है कि खनिजों के बदले अमेरिकी सहायता या राजनीतिक सौदेबाजी की कोई अदृश्य डील हो। विपक्ष यह भी पूछ रहा है कि पाकिस्तान ने इन दुर्लभ धातुओं की खुद की जरूरतों को नजरअंदाज कर क्यों अमेरिका को भेजा? देश में ऊर्जा संकट, औद्योगिक गिरावट और विदेशी मुद्रा की कमी के बीच ऐसा समझौता किसी मजबूरी का परिणाम तो नहीं? कुछ पाक विश्लेषकों ने तो यहां तक कहा कि अमेरिका संभवतः इन खनिजों के जरिए चीन पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है — क्योंकि दुनिया के रेयर अर्थ मेटल्स में से 60% से अधिक चीन से आते हैं। इस दृष्टि से अमेरिका के लिए पाकिस्तान एक वैकल्पिक स्रोत के रूप में काम आ सकता है।

अमेरिका का हित: चीन को चुनौती देने की तैयारी?

दरअसल, अमेरिका लंबे समय से 'रेयर अर्थ' धातुओं के क्षेत्र में चीन की एकाधिकार स्थिति को तोड़ना चाहता है। चीन ने न केवल इन खनिजों के भंडार पर, बल्कि इनके परिशोधन तकनीक पर भी प्रभुत्व जमा रखा है। अमेरिका की कई कंपनियां अब अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और मध्य एशिया में खनिज स्रोत तलाश रही हैं। ऐसे में पाकिस्तान का भूगोल— अफगानिस्तान और चीन के बीच की स्थिति, और खनिज संपदा से भरपूर बलूचिस्तान— अमेरिका के लिए अत्यंत रणनीतिक रूप से अहम हो जाता है। याद रहे कि अफगानिस्तान में भी लिथियम, तांबा और कोबाल्ट जैसे खनिजों के बड़े भंडार हैं। अगर अमेरिका पाकिस्तान के जरिए इन तक पहुंच बना लेता है, तो यह न केवल आर्थिक बल्कि भू-राजनीतिक रूप से भी चीन और रूस दोनों के लिए चुनौती साबित हो सकता है।

सैन्य संस्थान की भूमिका: रणनीतिक संकेत?

एफडब्ल्यूओ की भागीदारी इस समझौते को और भी रहस्यमय बना देती है। यदि यह केवल एक औद्योगिक या वाणिज्यिक सौदा होता, तो इसमें पाकिस्तान के खनन मंत्रालय या किसी नागरिक संस्था की भूमिका होती। लेकिन एफडब्ल्यूओ की मौजूदगी संकेत देती है कि यह समझौता 'सुरक्षा और सामरिक' दायरे में आता है। यह भी उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की सेना, विदेशी निवेश और संसाधनों पर नियंत्रण के माध्यम से देश की राजनीतिक-आर्थिक दिशा तय करती रही है।

कोटपूतली-बहरोड़ के घिलोठ में स्थापित होगा प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट

- राज्य सरकार ने 65.56 एकड़ भूमि का किया आवंटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट हेतु 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड) भूमि का आवंटन किया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एक एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरन्तर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इण्डिया' संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा। शर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को इलेक्ट्रो मॉबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित रहे।

जयपुर में दिवाली की रात बनी दर्दनाक: पटाखों से 5 साल की बच्ची की तीन उंगलियां उड़ीं, पाइप बम फटने से बच्चों की आंखें झुलसीं

जयपुर। दिवाली की खुशियां इस बार कई घरों में मातम में बदल गईं। जयपुर और आसपास के इलाकों में पटाखों और पाइप बम फटने से कई लोग घायल हो गए। इनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं। जयपुर के SMS हॉस्पिटल में अब तक पटाखों से घायल 24 मरीज भर्ती किए गए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर है।

5 साल की बच्ची की तीन उंगलियां उड़ीं

जयपुर के SMS मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि 19 और 20 अक्टूबर को कुल 46 बर्न मरीज अस्पताल पहुंचे। इनमें से 10 मरीजों को भर्ती किया गया। इसके अलावा 53 मरीजों की आंखों में चोट आई, जिनमें से 14 को गंभीर स्थिति में भर्ती कर ऑपरेशन किया गया, इनमें 4 छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. आर.के. जैन के अनुसार, बर्न यूनिट में तीन मरीज ऐसे हैं जिनके अंग विच्छेद (कटने) की स्थिति आई। इनमें 5 साल की अन्नु सबसे छोटी पीड़िता है। दीपावली की रात उसने हाथ में पटाखा जलाया, जो फट गया और उसके दाएं हाथ की तीन उंगलियां अलग हो गईं।

इसी तरह कोटपूतली के 14 वर्षीय अंकित जाट के दाएं हाथ की दो उंगलियां पटाखा फटने से कट गईं। डॉक्टरों के अनुसार दोनों बच्चों की सर्जरी की जाएगी ताकि हाथ की कार्यक्षमता आंशिक रूप से बहाल की जा सके।

पाइप बम का खतरनाक चलन:

आंखें जलीं, चेहरे झुलसे

इन दिनों बाज़ारों में "पाइप बम" नामक खतरनाक पटाखे का चलन बढ़ गया है, जिसमें लोग गंधक और पोटाश भरकर धमाका करते हैं। ऐसे कई हादसे राजस्थान के अलग-अलग जिलों में हुए।

झुंझुनूं के रवि (24) की बायीं आंख उस समय जल गई जब सड़क किनारे किसी व्यक्ति ने पाइप बम में हिट किया और वह अचानक फट गया। रवि को पहले झुंझुनूं और सीकर होते हुए जयपुर के SMS हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां उसकी आंख की सर्जरी की जा रही है।

इसी तरह डीग (भरतपुर) के 15 वर्षीय रोहित को भी भयानक चोटें आईं। वह घर पर पाइप बम में बारूद भर रहा था, तभी धमाका हो गया। हादसे में उसका चेहरा, दोनों आंखें और दांत बुरी तरह झुलस गए। परिवारजन उसे भरतपुर जिला अस्पताल लेकर गए, जहां से जयपुर रेफर किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी आंखों की रोशनी पर भी असर पड़ सकता है।

7 साल के यथार्थ की आंख पर पटाखे की चोट

डीग के ही पहाड़ी इलाके में रहने वाला 7 साल का यथार्थ अपने दोस्तों के साथ पटाखे जला रहा था। अचानक एक पटाखा फटकर उसकी आंख में जा लगा। बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर रोता हुआ घर लौटा। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां उसकी बायीं आंख की सर्जरी करनी पड़ी। डॉक्टरों का कहना है कि उसे लंबा इलाज चाहिए होगा।

डॉक्टरों की चेतावनी:

एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि इस बार दिवाली पर सबसे ज्यादा चोटें घरेलू रूप से बनाए गए पटाखों और पाइप बम से हुई हैं। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि ऐसे पटाखों में अत्यधिक मात्रा में विस्फोटक पदार्थ होते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकते हैं।

अस्पताल के विशेषज्ञों ने जनता से अपील की है कि पटाखों से दूरी बनाएं, बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें और सेफ ज़ोन में ही दीपावली मनाएं।

जयपुर में दीपावली पर भयावह आगजनी: शहर में 30 से ज्यादा जगह लगी आग, 3 गैस सिलेंडर फटने से लाखों का नुकसान

जयपुर। दीपावली की रात जयपुर शहर में छोटी-बड़ी आगजनी की घटनाओं ने लोगों की खुशियों में खलल डाल दिया। शहर के 30 से ज्यादा इलाकों में आग लगी, जिसमें फैक्ट्रियां, मकान, दुकानें और खाली प्लॉट शामिल हैं। इस दौरान जयपुर के सभी फायर स्टेशनों की गाड़ियों का मूवमेंट रात भर जारी रहा। कई जगहों पर समय पर दमकल पहुंचकर आग पर काबू पाया गया, लेकिन लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

फैक्ट्रियों और मकानों में आग

झोटवाड़ा में एक फैक्ट्री में आग लगने से भारी नुकसान हुआ। वहीं रीको एरिया की फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वैशाली नगर और गांधी पथ में मकानों में भी आग लगी, जिसे दमकल ने समय रहते नियंत्रित किया। कांवटिया सर्किल और बगरू वाले रास्ते की दुकानों में दिये से आग लगने की खबर मिली। बालाजी टावर, प्रताप नगर और विवेक विहार के खाली प्लॉटों में पटाखों से आग लगी, जिसे भी दमकल ने तुरंत कंट्रोल किया।

गैस सिलेंडर में आग, लाखों का नुकसान

दीपावली की रात तीन स्थानों पर गैस सिलेंडर फटने की भी घटनाएँ हुईं। त्रिवेणी नगर, विद्याधर नगर शॉपिंग सेंटर और कालवाड़ रोड पर सिलेंडर फटने से आग भड़क गई, हालांकि दमकल की त्वरित कार्रवाई से बड़ी क्षति टली। जयसिंह पुरा खोर में फैक्ट्री में लगी आग को समय पर नियंत्रित किया गया, लेकिन तब तक लाखों रुपए का नुकसान हो चुका था। धर्मकाटा और कालवाड़ में गैस पाइप लाइन में आग लगी। मोरिंजा टावर और महेश नगर में आग की घटनाएँ भी दर्ज हुईं। महेश नगर के एक कैफे में पटाखों से लगी आग ने कैफे में रखी सूखी खास को जला दिया।

दमकल विभाग की भूमिका

दमकल विभाग ने इस दीपावली पर सभी संभावित क्षेत्रों में हाई अलर्ट रखा था। रात भर फायर ब्रिगेड की टीम आग लगने के कई स्थानों पर तुरंत पहुंची और समय रहते आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि अगर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं होती, तो नुकसान कहीं ज्यादा बढ़ सकता था।

चेतावनी और सुझाव

विशेषज्ञों और फायर विभाग ने जनता से अपील की है कि पटाखों और दीपों के उपयोग में सावधानी बरतें, खाली प्लॉटों या संवेदनशील स्थानों पर आग जलाने से बचें। गैस सिलेंडरों और पाइप लाइनों के पास कभी भी पटाखे या आग लगने वाली चीज़ें न रखें।

जयपुर में पुलिस शहीद दिवस का आयोजन:

डीजीपी ने पढ़े शहीदों के नाम, त्रिमूर्ति सर्किल पर दी गई श्रद्धांजलि

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी (RPA) में सोमवार सुबह पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ पुलिस शहीद दिवस 2025 का आयोजन किया गया। हर साल की तरह इस वर्ष भी यह दिवस उन जांबाज़ पुलिसकर्मियों की याद में मनाया गया, जिन्होंने देश और समाज की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर डीजीपी राजस्थान राजीव शर्मा ने पिछले एक वर्ष — 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों के नाम पढ़कर सुनाए और उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आयोजन राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित शहीद स्थल पर हुआ, जहां डीजीपी राजीव शर्मा ने सुबह 8 बजे परेड की सलामी ली। इसके बाद त्रिमूर्ति सर्किल स्थित पुलिस स्मारक पर शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में पुलिस बैंड की धुनों के बीच मौन रखकर शहीदों को नमन किया गया।

66 वर्ष पहले हुई थी पुलिस बल की पहली शहादत

डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 का दिन भारतीय पुलिस इतिहास में सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में चीनी सेना से मुठभेड़ के दौरान पुलिस के जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति पाई थी। उन्हीं अमर जवानों की याद में हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है ताकि पुलिस कर्मियों के साहस और समर्पण को सम्मान मिल सके।

आईपीएस और आरपीएस अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम में एडीजी कानून व्यवस्था विशाल बंसल, आरएसी की चौथी और पांचवीं बटालियन, जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की टुकड़ियाँ और अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। समारोह में जयपुर स्थित सभी आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) और आरपीएस (राजस्थान पुलिस सेवा) अधिकारियों ने भाग लिया।

डीजीपी ने बताया कि इस अवसर पर सेवानिवृत्त महानिदेशक पुलिस स्तर के एक अधिकारी और सेवानिवृत्त अराजपत्रित पुलिस अधिकारी को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था ताकि वे भी इस गौरवशाली परंपरा के साक्षी बन सकें।

रक्तदान, स्वच्छता और पौधरोपण कार्यक्रम भी

शहीद दिवस समारोह के बाद सामाजिक और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आरपीए और जिला पुलिस लाइनों में रक्तदान शिविर लगाए गए, जिनमें बड़ी संख्या में जवानों और अधिकारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इसके अलावा सभी पुलिस कार्यालयों की साफ-सफाई कराई गई और पौधरोपण अभियान शुरू किया गया। विशेष रूप से, यदि किसी शहीद पुलिसकर्मी का परिवार जयपुर जिले से है, तो उस शहीद के परिजनों से स्वयं पौधा लगवाया जाएगा। पौधे के पास एक स्मृति-तख्ती लगाई जाएगी जिस पर अमर शहीद का नाम अंकित रहेगा। यह पहल पुलिस विभाग की ओर से उन परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है, जिनके अपनों ने देश की सेवा में बलिदान दिया। डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा कि पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को उन शहीदों के साहस से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर चलते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने यह भी कहा कि "पुलिस बल की ताकत केवल हथियारों में नहीं, बल्कि उसके अनुशासन, समर्पण और जनता की सेवा की भावना में निहित है।" इस अवसर पर परेड के दौरान पुलिस बैंड ने "अमर शहीदों अमर रहो" की धुन बजाई, जिससे माहौल भावनात्मक और प्रेरणादायक बन गया। समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों और जवानों ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि वे हमेशा जनता की सुरक्षा और संविधान की रक्षा के लिए तत्पर रहेंगे।

शाहपुरा की विरासत फिर जगमगाई:

दिगराज सिंह शाहपुरा ने दीपावली पर मोती महल एवं कल्याण जी मंदिर को पुन: सजाया

शाहपुरा (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के पावन अवसर पर शाहपुरा की ऐतिहासिक धरोहर मोती महल एवं कल्याण जी मंदिर एक बार फिर अपनी पारंपरिक भव्यता में दमक उठे। युवराज दिगराज सिंह शाहपुरा द्वारा अपने व्यक्तिगत प्रयासों एवं मार्गदर्शन में दोनों स्थलों को उनके मूल राजसी स्वरूप में सजाया गया, ताकि शाहपुरा के आमजन और युवा पीढ़ी उस गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर को नज़दीक से महसूस कर सकें।

शहरवासियों ने जब दीपों की रोशनी में सजे मोती महल और कल्याण जी मंदिर के दर्शन किए, तो मानो इतिहास पुनः जीवित हो उठा। पूरी रात मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण छाया रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल को "संस्कृति का पुनर्जागरण" बताते हुए दिगराज सिंह शाहपुरा जी के प्रयासों की सराहना की।

दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा कि —

"हमारी संस्कृति, हमारी सबसे बड़ी पहचान है। दीपावली सिर्फ उत्सव नहीं, यह अपने अतीत को सम्मान देने और नई पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का अवसर है। मोती महल और कल्याण जी मंदिर सिर्फ इमारतें नहीं, यह हमारी आत्मा का हिस्सा हैं। मेरा उद्देश्य है कि शाहपुरा की हर धरोहर फिर उसी गरिमा के साथ चमके, जैसी हमारे पूर्वजों ने इसे छोड़ा था।"

स्थानीय निवासियों ने कहा कि इतने वर्षों बाद मोती महल और कल्याण जी मंदिर ने जिस रूप में अपनी ऐतिहासिक छवि प्राप्त की है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। इससे आने वाली पीढ़ियों मंत अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति गर्व की भावना अवश्य जागृत होगी। दिगराज सिंह शाहपुरा जी ने यह भी बताया कि आने वाले समय में शाहपुरा की अन्य धरोहरों और मंदिरों को भी इसी तरह संरक्षित व पुनर्सज्जित किया जाएगा, ताकि "संस्कृति के साथ विकास का संगम" का संदेश समाज तक पहुँचे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025:

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान में 2500 से अधिक अधिकारियों ने लिया श्रमदान में हिस्सा

नई दिल्ली। 'स्वच्छ भारत' के संकल्प को और मज़बूत करने के लिए देशभर में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान चलाया गया। यह अभियान शहरी क्षेत्रों के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। अभियान की शुरुआत सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 17 सितंबर को "स्वच्छता शपथ" के साथ की, जिसने सरकारी दफ्तरों और समुदायों में स्वच्छता के प्रति नई प्रतिबद्धता जगाई। इस साल अभियान का मुख्य उद्देश्य था — स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों को आदर्श स्वच्छ क्षेत्रों में बदलना और अधिक भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता को निरंतर बनाए रखना। अभियान के दौरान मंत्रालयों और स्थानीय निकायों की ओर से कई विशेष पहल की गईं। सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाए गए ताकि निरोधक (प्रिवेंटिव) स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही, व्यक्तिगत स्वच्छता और सतत सफाई की आदतों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम भी देशभर के सरकारी कार्यालयों और समुदायों में आयोजित किए गए। अभियान के परिणामस्वरूप अब तक 52 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों का कायाकल्प किया गया और 104 सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई। इससे स्वच्छता मानकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। इसके अलावा, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर केंद्रित एक विशेष स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया, जिसमें सफाई मित्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। अभियान का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा 25 सितंबर 2025 को आयोजित राष्ट्रव्यापी श्रमदान, जिसमें 2,500 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी और स्वयंसेवक शामिल हुए। उन्होंने सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ-साथ वृक्षारोपण और स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अभियान ने न केवल स्वच्छता के प्रति समाज की जिम्मेदारी को रेखांकित किया बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता, सामुदायिक सेवा और निरोधक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। इन सामूहिक प्रयासों के माध्यम से "स्वच्छता ही सेवा 2025" ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी पहल नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर अभियान के समापन के साथ यह राष्ट्रीय पहल एक स्वच्छ, स्वस्थ और सतत भारत की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित हुई।

अंता विधानसभा उपचुनाव 2025

जनरल ऑ जर्वर सुभाश्री नंदा ने क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों एवं चेक पोस्टों का निरीक्षण किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर सुभाश्री नंदा ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों एवं चेक पोस्टों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नंदा ने मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प, शेड, व्हीलचेयर एवं प्रतीक्षा स्थल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिला मतदाताओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि मतदान दिवस 11 नवम्बर को सभी मतदाताओं के लिए सुरक्षित एवं सुगम वातावरण सुनिश्चित किया जाए। जनरल ऑब्जर्वर ने चेक पोस्टों का भी दौरा किया और वहां पर की जा रही वाहनों की जांच, सीसीटीवी निगरानी, वीडियोग्राफी, सामग्री की जब्ती एवं दस्तावेजीकरण प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन नियमों की कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद नंदा ने सर्किट हाउस बारां में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु के साथ बैठक की। बैठक में निर्वाचन तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों की स्थिति, फ्लाइंग स्क्वाड, एसएसटी टीमों की गतिविधियों तथा मतदाता जागरूकता अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। जनरल ऑब्जर्वर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि 11 नवम्बर को होने वाला मतदान शांतिपूर्ण, पारदर्शी और शत-प्रतिशत मतदान वाला हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे पूर्ण निष्पक्षता और सजगता से संपन्न कराया जाना चाहिए। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंता हवाई सिंह यादव, लाइजनिंग ऑफिसर एवं सहायक निदेशक जूही अग्रवाल, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जयपुर की हवा ज़हरीली हुई:

दीपावली के बाद रेड ज़ोन में पहुंचा AQI, शास्त्री नगर और विद्याधर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के बाद जयपुर की हवा ज़हरीली हो गई है। मंगलवार को शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 300 के पार पहुंच गया, जिससे राजधानी अब "रेड ज़ोन" में आ गई है। सुबह तक यह स्तर 250 के आसपास था, लेकिन दोपहर तक खतरनाक स्थिति में पहुंच गया। जयपुर के शास्त्री नगर और विद्याधर नगर में हवा सबसे ज़्यादा प्रदूषित रही, जहां AQI 336 दर्ज किया गया, जबकि सीतापुरा और प्रताप नगर में 319 रहा। आदर्श नगर, राजापार्क और ट्रांसपोर्ट नगर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में भी स्थिति ठीक नहीं रही, यहां AQI 256 दर्ज हुआ, जबकि एमआई रोड और चारदीवारी क्षेत्र में 238 तक पहुंच गया।

राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा) में तो हालात सबसे खराब रहे, यहां का AQI 338 दर्ज हुआ जो "रेड ज़ोन" की सीमा से कहीं ऊपर है। अजमेर, अलवर, बीकानेर, भरतपुर, धौलपुर, चूरू और दौसा में भी हवा की गुणवत्ता काफी खराब रही। धौलपुर का AQI 264 और जोधपुर का 250 से ऊपर दर्ज हुआ। सोमवार तक जिन इलाकों में हवा की स्थिति सामान्य थी, मंगलवार को वही क्षेत्र 200 से अधिक के स्तर पर पहुंच गए, जिससे पूरे प्रदेश में प्रदूषण का असर साफ महसूस किया जा रहा है।

डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, हवा में मौजूद सूक्ष्म धूलकण और जहरीले तत्व सांस, एलर्जी और अस्थमा के मरीजों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रहे हैं। कई अस्पतालों में सांस लेने में दिक्कत और खांसी-जुकाम की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों ने लोगों को सुबह और देर रात बाहर निकलने से बचने, मास्क पहनने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि दीपावली के बाद से जयपुर और आसपास के इलाकों में बादल छाए हुए हैं और हवा भी नहीं चल रही। इस वजह से पटाखों, वाहनों और औद्योगिक इकाइयों से निकला धुआं और धूलकण वातावरण में ऊपर जाकर फंस जाते हैं और नीचे की परत में ही जमा रहते हैं। हवा न चलने के कारण ये कण बिखर नहीं पाते और पूरी वायुमंडलीय परत में जहरीली धुंध (स्मॉग) का रूप ले लेते हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

आंगनबाड़ी केंद्रों में रखी जाती है बच्चों के स्वस्थ भविष्य की नींव

-पोषण अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्मिक सम्मानित

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंतर्गत आयोजित अष्टम पोषण माह का जिला स्तरीय समापन समारोह गुरुवार को न्यू सिविल लाइंस सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की तंदुरुस्ती और स्वस्थ भविष्य की आधारशिला रखते हैं। जिस प्रकार विद्यालय में शिक्षक की भूमिका होती है, उसी प्रकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के लिए माता-पिता और शिक्षक दोनों की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा पैटर्न पर प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। जिला कलक्टर ने कहा कि बच्चों का भविष्य एक पहेली की तरह होता है, यह ज्ञात नहीं होता कि वे आगे चलकर डॉक्टर, वैज्ञानिक या इंजीनियर बनेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बच्चों को पौष्टिक भोजन देने, एनीमिया से बचाव और गर्भवती व धात्री महिलाओं की देखभाल के बारे में विशेष रूप से जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके उपचार व आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने कहा कि गर्भधारण से लेकर प्रसव उपरांत देखभाल तक स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास विभाग की संयुक्त भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पौष्टिक आहार, कम नमक व तेल के सेवन तथा टीकाकरण की नियमितता पर बल दिया। महिला एवं बाल विकास उपनिदेशक सुनीता शर्मा ने बताया कि 17 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 तक आयोजित पोषण माह के दौरान आंगनबाड़ी, सेक्टर और ब्लॉक स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। अभियान के तहत प्रारंभिक बाल्यावस्था एवं शिक्षा, वोकल फॉर लोकल, शिशु एवं बाल आहार, पुरुष भागीदारी और मोटापा नियंत्रण थीम पर कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के बीच व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसका अवलोकन जिला कलक्टर और सीएमएचओ ने किया।

आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के सर्वांगीण विकास, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और सुरक्षित वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम -मुख्य सचेतक

-विद्यालय में कक्षा-कक्ष एवं सार्वजनिक ट्यूबवैल, नलकूप खुदाई व कमिशनिंग कार्य तथा आंगनवाड़ी भवन-3 का हुआ लोकार्पण

जालोर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को सायंकाल थलवाड़ ग्राम पंचायत में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत स्वीकृत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा-कक्ष एवं सार्वजनिक ट्यूबवैल, नलकूप खुदाई व कमिशनिंग कार्य तथा आंगनवाड़ी भवन-3 का लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के सर्वांगीण विकास, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और सुरक्षित वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है कि प्रदेश के हर बच्चे तक शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण की सुविधाएं सुलभ कराई जाएं। आंगनबाड़ी केंद्रों के सशक्तीकरण से बच्चों के भविष्य की नींव और अधिक मजबूत होगी। ट्यूबवैल से स्थानीय स्तर पर पेयजल एवं मवेशियों के लिए पानी की समस्या का समाधान हो सकेगा। इस अवसर पर सायला उपखण्ड अधिकारी सूरजभान विश्नोई, तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी, विकास अधिकारी गौरव विश्नोई, सायला उप प्रधान अनुराधा कंवर, उदयसिंह दादाल, पूर्व प्रधान रामप्रकाश चौधरी, पुखराज विराणा, राहुल भण्डारी, मंगलसिंह सिराणा, लालाराम माली, राजेन्द्र माहेश्वरी, नैनमल लखारा, बलवंतसिंह तूरा, सुरेश राजपुरोहित, जबराराम परमार ओटवाला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत चतुर्थ किश्त का हस्तांतरण

-जालोर जिले के 2,25,106 किसानों के खातों में कुल 22.51 करोड़ की राशि का हुआ हस्तांतरण

जालोर (रॉयल पत्रिका)। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा शनिवार को धरतेरस के अवसर पर नदबई, जिला-भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत सम्मान निधि की किश्त जारी की गई तथा लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया गया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में कलक्टर डॉक्टर प्रदीप के गावंडे की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ सुनील वीरभान ने बताया कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत जिले के 2,25,106 किसानों के खातों में कुल 22 करोड़ 51 लाख 6 हजार रूपये की सम्मान निधि का हस्तांतरण किया गया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 3 हजार की राशि तीन किश्तों में प्रति किश्त 1 हजार प्रति कृषक दिये जाने की बजट घोषणा की गई है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में रानीवाडा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, केन्द्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह सहित विभागीय अधिकारी- कार्मिक व कृषक उपस्थित रहे।

मनरेगा के तहत अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें- आशीष कुमार मिश्रा

-ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जोधपुर आशीष कुमार मिश्रा ने बुधवार को पंचायत समिति लूणी के सभागार कक्ष में जोधपुर जिले के विकास अधिकारियों एवं सहायक अभियंताओं की ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की विभिन्न योजनाओ की समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित समस्त विकास अधिकारियों को महात्मा गांधी नरेगा योजना अन्तर्गत सभी ग्राम पंचायतों में चल रहे अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करवाने के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होने समस्त ग्राम पंचायतों में पक्के कार्य टांका निर्माण कार्य मेडबन्दी के कार्य, चारागाह तथा पंचायत पौधशाला के कार्यों तथा आंगनवाडी केन्द्रों की स्वीकृति प्रस्ताव पर चर्चा कर कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करवाने की बात कही। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिश्रा ने कहा कि आमजन की जानकारी के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना कार्यस्थलों पर स्थायी नागरिक सूचना बोर्ड प्रदर्शित करने के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये और कहा कि मनरेगा में जॉब कार्ड ई केवाईसी का कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में प्रगतिरत सांसद योजना, विधायक स्थानिय क्षेत्र विकास योजना, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के सामुदायिक शौचालयों के कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों को समय पर पूर्ण करवाने के आवश्यक निर्देश प्रदान किये तथा पंचायत समितियों से स्वीकृतियां भेजने से पूर्व सहायक अभियंता नरेगा से गहन जांच के बाद ही जिला परिषद को भेजे ताकि समय पर स्वीकृति जारी की जा सके। फलैगशिप योजनाओं के कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ किये जाने के निर्देश प्रदान किये। उन्होने बजट घोषणा, स्वामित्व योजना की कम प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, अटल ज्ञान केन्द्र, मुख्यमंत्री जल स्ववलंबन अभियान की प्रगति, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान, आदि कर्मयोगी तथा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होने श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उम्यान योजना के प्राप्त नवीन प्रस्तावों को लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किये एवं विभिन्न विभागों में लंबित जांच प्रकरणों, जनसुनवाई प्रकरण, सतर्कता प्रकोष्ठ प्रकरणों न्यायालय के लंबित प्रकरणों, लंबित मुख्यमंत्री प्रकोष्ठ प्रकरणों एवं वीआईपी प्रकरणें की समीक्षा कर समय सीमा में जांच रिपोर्ट भिजवाने के सख्त निर्देश प्रदान कियें।

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदारों ने चिकित्सालयों की सघन जांच

-जिले भर में कुल 36 सीएचसी/ पीएचसी का हुआ निरीक्षण

खैरथल-तिजारा (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देशानुसार जिले के सभी उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदारों द्वारा जिले भर में चिकित्सालयों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिले भर में कुल 36 सीएचसी/ पीएचसी का निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारियों द्वारा जिले भर की सीएससी/पीएससी में टीकाकरण, बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण, अस्पताल में हुए प्रसव की संख्या, पार्किंग, लेबर रूम में स्वच्छता, नियुक्त कार्मिकों की संख्या सहित कुल स्वीकृत पदों की संख्या, ड्यूटी रोस्टर, भवन/परिसर की स्थिति, ओपीडी/ आईपीडी संख्या सहित उपकरणों की स्थिति की जांच की गई। उपखण्ड आधिकारी तिजारा द्वारा पीएचसी डोटाणा का निरिक्षण किया गया, जहाँ पर सफाई व्यवस्था अत्यंत उत्कृष्ट पाई गई, सभी कार्मिक मौके पर उपस्थित मिले तथा डाटा फीडिंग का कार्य व्यवस्थित एवं अद्यतन पायी गई। निरीक्षण के दौरान टपूकड़ा में एक, किशनगढ़ बास में 5, कोटकासिम में एक, मुंडावर में 7 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए जिस पर जिला कलेक्टर ने नियम अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से उनका हाल-चाल पूछा तथा अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं व उपचार के बारे में फीडबैक लिया। सभी अधिकारियों ने अस्पतालों में मिली अनियमिताओं को निर्धारित समय अवधि में सही करने के निर्देश दिए। अस्पताल में हेल्प डेस्क, रोगियों हेतु सूचना बोर्ड, सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से संबंधित बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए।

दीपावली पर्व पर अबाधित विद्युत आपूर्ति के लिए विशेष व्यवस्था

सीकर (रॉयल पत्रिका)। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता महेन्द्र कुमार महिचा ने बताया कि दीपावली के रोशनी के त्यौहार पर विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्युत वितरण निगम के अधीन उपखंड कार्यालय सहायक अभियंता सीएसडी–II द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस संबंध में सहायक अभियंता सीएसडी–II ने बताया कि दीपावली पर्व के दौरान विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु कुल 44 कर्मचारियों की टीम, 2 एफ.आर.टी. (फॉल्ट रिपेयरिंग टीम) गाड़ियां, प्राइवेट तकनीकी कार्मिक तथा एक लिफ्टर वाहन की व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में विद्युत आपूर्ति को त्वरित रूप से बहाल किया जा सके। इसके अतिरिक्त विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है, जिसमें चार तकनीकी कर्मचारी, तीन कनिष्ठ अभियंता नियंत्रण एवं सहायक अभियंता नियंत्रण अधिकारी के रूप में कार्यरत रहेंगे।

कंट्रोल रूम में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी इस प्रकार हैं — महेन्द्र कुमार महिचा, एईएन (9413392061), नीतेश गढ़वाल, जेईएन (मुख्यालय-II) (9414065760), राहुल मीना, जेईएन (मुख्यालय-III एवं सालासर स्टैंड) (9413392085), पूनम चौधरी, जेईएन (मुख्यालय-I) (9413392084), महेन्द्र पचार (9571835051), कंवरपाल सिंह (कॉलोनी जीएसएस) (9782885907), मुकेश पालीवाल (सालासर स्टैंड जीएसएस) (9828321015) एवं अनिल ओला (डाकबंगला जीएसएस) (7597863212), एफ.आर.टी. गाड़ियों के प्रभारी के रूप में सुरेश (9828838417) एवं विकास (6376066738) को नियुक्त किया गया है।

शिविरों में मिला आमजन को लाभ

-किसी का हुआ हाथों हाथ भूमि नामांतरण तो किसी को मिला बीज मिनीकिट

प्रतापगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार पंचायत समिति प्रतापगढ़ की ग्राम पंचायत बरोठा में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत बरोठा सरपंच, शिविर प्रभारी नायब तहसीलदार देवगढ़ एवं बीडीओ प्रतापगढ़ उपस्थित रहे। राज्य सरकार के विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उपस्थित होकर ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ही अनेक लाभ प्रदान किए। शिविर के माध्यम से ग्राम बरोठा के निवासी लक्ष्मण सिंह एवं जितेन्द्र सिंह को उनके पिता के निधन के पश्चात कृषि भूमि पर विरासत नामांतरण करवाने का लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं शिविर प्रभारी की तत्परता से उनका कार्य तत्काल पूरा किया गया और शिविर स्थल पर ही उनके नाम की जमाबंदी नकल उपलब्ध करवा दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आयोजित शिवी से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर जैसे शिविर वास्तव में आमजन को सरकार से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसी प्रकार शुक्रवार को पंचायत समिति धमोत्तर की ग्राम पंचायत देवगढ़ में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत देवगढ़ के निवासी लालूराम, रमणलाल, कानाराम, गुड्डीबाई, भेरकीबाई तथा ककुडीबाई मीणा ने बताया कि उनका खाता पूर्व में उनके पिता बाबरू पुत्र पुंजिया जी के नाम था। उन्होंने शिविर प्रभारी को विरासत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर प्रभारी ने तत्काल संबंधित पटवारी हल्का से वारिसानों की जांच करवाई तथा मौके पर ही नामांतरण प्रकरण दायर कर स्वीकृत किया गया। आवेदकों को शिविर स्थल पर ही नकल प्रदान की गई। उन्होंने राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। धरियावद में आयोजित शिविरों में बीज मिनीकिट और पशु बीमा पॉलिसी का वितरण किया गया और हरियालो राजस्थान के तहत पौधा वितरण भी किया गया।

पांच लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत-

प्रतापगढ़, 17 अक्टूबर। जिले के अरनोद उपखंड की तहसील दलोट के मालपिपरोड़ी (भचुण्डला) निवासी सुनील मीणा की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु होने पर मृतक के परिजन नर्बदा बाई मीणा को चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि की प्रशासनिक स्वीकृती जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार जारी की है। इसी तरह से प्रतापगढ़ तहसील के अंतर्गत कच्ची बस्ती बगवास निवासी प्रभुनाथ जोगी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक की पत्नी केसर को एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत जारी की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत चतुर्थ किस्त

-चूरू जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

-जिले के 02 लाख 43 हजार 45 किसानों को कुल 24 करोड़ 30 लाख 45 हजार रुपए की राशि का डीबीटी के माध्यम से हुआ हस्तांतरण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के नदबई में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत चतुर्थ किस्त डीबीटी के माध्यम से खातों में हस्तांतरित की। इस क्रम में जिला मुख्यालय स्थित डीओआईटी वीसी सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम वीसी के जरिए प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ा रहा। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चूरू जिले के 2 लाख 43 हजार 45 किसानों को कुल 24 करोड़ 30 लाख 45 हजार रुपए की राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, कॉपरेटिव डीआर सुनील मांडिया, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल, डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया, चूरू एसडीएम सुनील कुमार, तहसीलदार अशोक गोरा सहित किसान मौजूद रहे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में संबोधित करते हुए चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि मानते हुए निरंतर कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को सीधी आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे किसान समृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना में सम्पूर्ण प्रदेश में 08 जिलों को शामिल किया गया है, जिनमें चूरू भी शामिल है। चूरू जिला शामिल होने से अंचल के किसानों को बेहतरीन कृषि सुविधाएं मिल सकेगी और पैदावार बढ़ने से किसान समृद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

-सरकारी योजनाओं से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करें- कैबिनेट मंत्री कुमावत

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा किसान उत्थान की दिशा में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत चतुर्थ किश्त हस्तान्तरण का राज्य स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को नदबई, भरतपुर से हुआ जिसका सीधा प्रसारण पाली जिला मुख्यालय पर जिला परिषद सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में पशुपालन, गोपालन, डेयरी व देवस्थान कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सभागार में मौजूद किसानों को केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी साथ ही उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड योजना, गोपालक क्रेडिट कार्ड योजना, पीएम सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री आवास, खाद्य सुरक्षा, मोबाईल वेटनरी, डेयरी समेत कई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने आमजन से सभी योजना में ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की । उन्होंने कहा कि किसान व गरीब के कल्याण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य के हजारों किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चतुर्थ किश्त का हस्तांतरण डीबीटी के माध्यम से धनतेरस पर तोहफा दिया है। उन्होंने किसानों कहा कि जिले में चल रहे ग्रामीण व सेवा शिविर के माध्यम से विभिन्न कार्यो व समस्यों का समाधान किया जा रहा है जिनमें शुद्धिकरण, नामांतरण, पट्टो सहित अनेक कार्य हो रहे है। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक भीमराज भाटी, सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे ।

सफाई मित्रों का हुआ सम्मान- स्वच्छ दीपावली, स्वस्थ सीकर का लिया संकल्प दीपावली से पहले नगर परिषद सीकर ने बढ़ाया सम्मान का उजियारा

सीकर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के शुभ अवसर से पूर्व नगर परिषद सीकर द्वारा रविवार को सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्वच्छता की सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें "स्वच्छ दीपावली – शुभ दीपावली, स्वच्छ सीकर – स्वस्थ सीकर" का संदेश दिया गया। समारोह में "वोकल फॉर लोकल", "नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक" और "ग्रीन दिवाली" जैसे अभियानों को भी प्रमुखता से आगे बढ़ाया गया। शहर को स्वच्छ रखने में दिन-रात मेहनत करने वाले सफाई मित्रों को शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की रीढ़ बताया गया और उन्हें सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने सफाई मित्रों को सम्मानित करते हुए कहा की सफाई मित्र न केवल शहर को स्वच्छ रखते हैं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य और खुशहाली के सच्चे रक्षक हैं। उनका परिश्रम ही दीपावली की असली रोशनी है, जो पूरे शहर को चमकाता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी,एडीएम रतन कुमार स्वामी (प्रशासक नगर परिषद सीकर) आयुक्त शशिकांत शर्मा,अधिशासी अभियंता प्रतिभा चौधरी, राजस्व अधिकारी महेश चंद्र योगी, राजस्व अधिकारी प्रमोद सोनी, सहायक अभियंता नागरमल तेतरवाल, मुख्य सफाई निरीक्षक लक्ष्मण सिंह लद्धड़, सभी जोन प्रभारी, एवं नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या सफाई कर्मी में उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर सफाई मित्रों ने प्लास्टिक मुक्त सीकर एवं स्वच्छ दीपावली मनाने का संकल्प लिया। दीपावली की स्वच्छता और उजियारे के इस संगम में "स्वच्छता ही सेवा" का भाव पूरे समारोह में झलकता रहा।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन खरीद

-दीपावली पर्व के मध्यनजर 20 व 21 अक्टूबर को स्थगित रहेगी पंजीयन की प्रक्रिया

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि दीपावली के त्योहार के दृष्टिगत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया 20 व 21 अक्टूबर को स्थगित रहेगी। उन्होंने बताया कि 22 अक्टूबर प्रातः 11 बजे से किसान फिर से राजफेड पोर्टल पर अपना पंजीयन कर पाएंगे। उल्लेखनीय है कि खरीफ-2025 के अंतर्गत राज्य में मूंग, मूंगफली, उड़द और सोयाबीन की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए पंजीयन की प्रक्रिया 18 अक्टूबर से शुरू कर दी गई है। किसान अपनी उपज बेचने के लिए राजफेड पोर्टल पर निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 60 हजार से अधिक किसानों द्वारा पंजीयन किया जा चुका है।

चांदी की चाल देख सोना भी 'शरमाया', इस साल 73% से अधिक रिटर्न

सोने की कीमतें 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी की कीमतें 1,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम, 2025 में अब तक चांदी ने 73% से अधिक और सोने ने 64% से अधिक का रिटर्न दिया, एक साल में सोने ने 33% से 35% और चांदी ने 40 से 45% का रिटर्न दिया, विश्लेषक बोले, चांदी में चमक बरकरार रहेगी, आने वाले समय में अच्छा रिटर्न देगी, धनतेरस पर चांदी में निवेश कर मुनाफा कमा सकते हैं

निवेश करने जा रहे है तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस रणनीति में यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश सालाना किस दर से बढ़ेगा। इससे कम्पाउंडिंग की ताकत को समझने में मदद मिलती है और निवेशक आसानी से अपना पैसा बढ़ा लेता है।

निवेश मंत्रा

विनोद कौशिक

इस साल सोना और चांदी लगातार अपनी चमक बिखेर रहे हैं। वहींए चांदी तो सोने से भी तेज रफ्तार भर रही है। चांदी ऐसी चाल चल रही है कि उसके सामने सोना भी शरमाने लगा है। कारोबारियों की लगातार मुनाफावसूली के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतें 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतें 1,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रही। दो दिन पहले इसने 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड छुआ था। देखा जाए जो 2025 में अब तक सोने चांदी ने 73% से अधिक और सोने ने 64 % से अधिक का रिटर्न दिया है। चांदी का प्रदर्शन सोने से बेहतर रहा है, जिसका मुख्य कारण औद्योगिक मांग और आपूर्ति में कमी है। चांदी गोल्ड से सस्ती और इंडस्ट्रियल डिमांड वाली मानी जाती है, इसलिए चांदी निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन माना जाता है। यह निवेशकों के बीच लोकप्रिय बनकर उभर रही है। पिछले धनतेरस (2024) से इस धनतेरस (2025) तक, सोने ने करीब 33% से 35% का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी ने करीब 40 से 45% का रिटर्न दिया है, जो इसे एक अच्छा निवेश विकल्प बनाता है। चांदी ने सोने और शेयर बाजार दोनों को पीछे छोड़ दिया है। विश्लेषकों का कहना है कि चांदी का यह प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। आने वाले समय में चांदी और अच्छा रिटर्न देगी। इसलिए इस धनतेरस पर चांदी में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

चांदी को न करें अनदेखा

अगर आप भी ऐसे इन्वेस्टमेंट की तलाश में हैं जो आपको आने वाले समय में शानदार रिटर्न दे सके? तो सोने की चमक के बीच चांदी को अनदेखा न करें। यह सफेद धातु आपको अमीर बनाने का एक बेहतरीन मौका दे सकती है। इस रिपोर्ट में हम चांदी में निवेश के उन बड़े फायदों को जानेंगे जो ज़्यादातर लोग नहीं जानते और समझते हैं। यह जानकारी आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी और आपके पोर्टफोलियो को मजबूत बनाएगी!

चांदी कहानी अलग

सोने का प्रयोग ज़्यादातर गहनों और इन्वेस्टमेंट के लिए होता है, लेकिन चांदी की कहानी थोड़ी अलग है। चांदी की करीब आधी मांग इंडस्ट्रीज से आती है। तो सोचिए, आपके स्मार्टफोन, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, मेडिकल उपकरण और भी बहुत कुछ बनाने में चांदी का इस्तेमाल होता है। ऐसे में जैसे-जैसे दुनिया टेक्नोलॉजी की तरफ बढ़ रही है और ग्रीन एनर्जी पर जोर दे रही है, चांदी की इंडस्ट्रीज मांग भी बढ़ती जा रही है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

- **फिजिकल सिल्वर** : आप चांदी के सिक्के या बार (ईंटें) खरीद सकते हैं। इसे घर पर या लॉकर में सुरक्षित रखें।
- **चांदी ईटीएफ** : अगर आप फिजिकल सिल्वर रखने के झंझट से बचना चाहते हैं, तो आप चांदी ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं, ये इलेक्ट्रॉनिक रूप में होते हैं और इन्हें खरीदना-बेचना आसान होता है।
- **चांदी फ्यूचर्स** : यह उन निवेशकों के लिए है जो ज़्यादा रिस्क लेकर ज़्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। इसमें फ्यूचर की तारीख पर चांदी खरीदने या बेचने का समझौता होता है।
- **चांदी खनन कंपनियों के शेयर** : आप उन कंपनियों के शेयर खरीद सकते हैं जो चांदी का खनन करती हैं। जब चांदी की कीमतें बढ़ती हैं, तो इन कंपनियों को भी फायदा होता है।

दिखता है उतार चढ़ाव भी

अक्सर जब सोने की कीमतें बढ़ती हैं, तो सिल्वर की कीमतें भी उसके पीछे-पीछे बढ़ती हैं। वैसे हालांकि, चांदी में सोने के मुकाबले ज़्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, जिसका मतलब है कि इसमें तेजी से ज़्यादा मुनाफा कमाने की संभावना भी होती है। अपने निवेश पोर्टफोलियो में सोने के साथ चांदी को शामिल करने से आपका पोर्टफोलियो मजबूत बनता है और जोखिम भी संतुलित रहता है।

जोखिम भी रहता है

- चांदी की कीमतें सोने से 2-3 गुना उतार-चढ़ाव वाली।
- इंडस्ट्रियल डिमांड कम हो तो गिरावट।
- चांदी का वजन ज्यादा, स्टोरेज महंगा।
- 1 किलो चांदी सोने के 1/10 कीमत, लेकिन 10 गुना जगह।
- सोने जितनी आसानी से नहीं बिकती। मार्केट छोटा।
- शॉर्ट टर्म में नुकसान संभव। लॉन्ग टर्म (5-10 साल) के लिए बेस्ट।
- फिजिकल सिल्वर पर जीएसटी 3%, मेकिंग चार्ज। ईटीएफ में कम।
- फिजिकल: कॉइन्स/बार्स खरीदें
- ईटीएफ : सिल्वर ईटीएफ (निप्पोन इंडिया) में निवेश, 0.5% एक्सपेंस रेशियो।
- एमसीएक्स : फ्यूचर्स ट्रेडिंग, लेकिन रिस्की।

मिड कैप फंड कैटेगरी ने 5 साल में दिया 25.28% सालाना रिटर्न

- कुछ खास स्कीमों का आगे भी रह सकता है ऐसा ही प्रदर्शन
- मिड कैप फंड्स लार्ज कैप फंड्स की तुलना में ज्यादा रिस्की
- स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले कम जोखिम भरा माने जाते हैं
- रिटर्न भले ही आकर्षक हों, लेकिन मार्केट की उथल-पुथल का असर भी ज्यादा
- इन्हें हाई रिटर्न के साथ ही हाई रिस्क निवेश भी कहा जा सकता है
- इक्विटी में निवेश की वजह से इनके साथ मार्केट रिस्क हमेशा जुड़ा रहता है

फंड्स

बिजनेस डेस्क

मिड कैप म्यूचुअल फंड्स को आमतौर पर लंबी अवधि में ऊंचा रिटर्न देने की संभावना के लिए जाना जाता है। 6 अक्टूबर तक अपडेटेड ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस कैटेगरी का पिछले 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 25.28% रहा है, जो इस धारणा को सही साबित करता है। इतना ही नहीं, इस कैटेगरी की टॉप 5 स्कीम्स ने तो पिछले 5 साल में करीब 29% से 34 % तक सालाना रिटर्न दिया है। मिड कैप फंड्स को लार्ज कैप फंड्स की तुलना में ज्यादा रिस्की और स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले कम जोखिम भरा माना जाता है।

टॉप 5 मिड कैप फंड्स का पिछला प्रदर्शन

5 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप 5 मिड कैप फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड और निप्पॉन इंडिया म्यूचुल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हमने इन टॉप 5 फंड्स के लंपसम और एसआईपी रिटर्न के साथ ही उनके एक्सपेंस रेशियो की जानकारी दी है।

1. मोतीलाल ओसवाल मिड कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 33.92 %
- एक्सपेंस रेशियो : 0.70 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 12,08,224
- एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.44 %

2. एडेलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 30.57 %
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38 %

- 10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 11,11,550
- एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.94 %

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 29.87 %
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 10,95,180 रुपये
- एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.33 %

4. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 29.68 %
- एक्सपेंस रेशियो : 0.72%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 10,98,796 रुपये
- एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.46 %

5. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 29.15 %
- एक्सपेंस रेशियो : 0.54%
- 10000 मंथली एसआईपी की 5 साल में वैल्यू : 11,49,632 रुपये
- एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.35%

हाई रिटर्न के साथ हाई रिस्क

मिड कैप फंड्स के ऊपर दिए गए रिटर्न भले ही बेहद आकर्षक दिख रहे हों, लेकिन इन पर मार्केट की उथल-पुथल का असर भी ज्यादा पड़ता है। इसीलिए इन्हें हाई रिटर्न के साथ ही हाई रिस्क निवेश भी कहा जा सकता है। इक्विटी में निवेश की वजह से इनके साथ मार्केट रिस्क हमेशा जुड़ा रहता है। यही वजह है कि रिस्कोमीटर पर इन्हें वेरी हाई रिस्क कैटेगरी में रखा जाता है।

मिड कैप फंड्स की निवेश रणनीति

सेबी के नियमों के मुताबिक मिड कैप फंड्स के लिए अपने पोर्टफोलियो का कम से कम 65 फीसदी हिस्सा मिड कैप स्टॉक्स में निवेश करना जरूरी है। मिड कैप स्टॉक्स का मतलब है उन कंपनियों के शेयर जो मार्केट कैप के लिहाज से बाजार में 101वें से 250वें पायदान पर मौजूद हैं। मिड कैप में देश की कई तेजी से बढ़ रही कंपनियां शामिल होती हैं, जो आगे चलकर टॉप 100 कंपनियों में शामिल होने की क्षमता रखती हैं। यही वजह है कि मिड कैप फंड्स में लंबी अवधि के दौरान हाई रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

मिड कैप फंड्स में निवेश किनके लिए सही

मिड कैप फंड्स उन निवेशकों के लिए सही ऑप्शन हो सकते हैं, जो इक्विटी में निवेश करके हाई रिटर्न हासिल करना चाहते हैं और इसके लिए ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं। हालांकि इन्हें स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है, फिर भी बाजार के उतार-चढ़ाव का इन पर काफी असर हो सकता है। मिड कैप फंड्स में उन्हीं निवेशकों को पैसे लगाने चाहिए।

सोने में निवेश के स्मार्ट तरीके जो आपको बना सकते हैं धनवान

- जटिल वित्तीय दुनिया में, सोने को केवल ज्वेलरी या सिक्कों तक सीमित न रखें
- इसे बेहतर प्लानिंग के साथ अपने निवेश के सफर में शामिल करने पर विचार करें
- गोल्ड फंड ऑफ फंड्स कामकाजी झंझटों को खत्म कर निवेश का आसान रास्ता दे रहे

धनतेरस और दिवाली के मौके पर सोना या चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। बहुत से लोग इसमें ट्रेडिशन के तौर पैसे लगाते हैं, लेकिन बहुत से लोग इन्वेस्टमेंट के लिहाज से भी सोना खरीदते हैं। दशकों से, ज्वेलरी के रूप में सोना भारतीय परिवारों का एक अटूट हिस्सा रहा है। यह सांस्कृतिक प्रतीक होने के साथ-साथ अनिश्चितता से सुरक्षा का जरिया भी है, लेकिन अब सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं और यह 1.28 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं। इस वजह से थोक प्रीमियम, मेकिंग चार्ज और मूल्यों में अस्थिरता अब सामान्य समय की तुलना में ज्यादा जोखिम बन गए हैं। इसके अलावा फिजिकल गोल्ड के साथ एक व्यावहारिक चुनौती भी जुड़ी हुई है, क्योंकि इसे (गहने, बिस्किट आदि) रखने के लिए सुरक्षित स्टोरेज की जरूरत होती है। इसे अक्सर लॉकरों में या घरों में रखना पड़ता है, जिससे यह चोरी के जोखिम और इंश्योरेंस जैसे अतिरिक्त खर्चों के दायरे में आ जाता है। इसलिए आज की जटिल वित्तीय दुनिया में, हमें सोने को केवल ज्वेलरी या सिक्कों तक सीमित न रखकर, अपने निवेश सफर में कैसे शामिल करें, इस पर दोबारा सोचने की जरूरत है।

सुझाव

बिजनेस डेस्क

गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड ईटीएफ एफओएफ

बाजार के जानकारों और विश्लेषकों का कहना है कि कि जो निवेशक कम लागत, सुविधापूर्ण और आसानी से खरीदा-बेचा जा सकने वाला (लिक्विड) गोल्ड खरीदना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (गोल्ड ईटीएफ) और गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स जैसे आधुनिक विकल्प, बेहतर तरीके पेश करते हैं।

1. **गोल्ड ईटीएफ** : ये शेयर बाजार में ट्रेड होते हैं और सोने की कीमतों को बारीकी से ट्रैक करते हैं। इनमें निवेश के लिए आपको केवल डिमैट अकाउंट की जरूरत होती है (यूनिट्स रखने के लिए) और ट्रेडिंग अकाउंट की रूरत होती है (खरीदने-बेचने के लिए)।
2. **गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स** : जिन रिटेल निवेशकों के पास डिमैट और ट्रेडिंग अकाउंट नहीं है, उनके लिए यह विकल्प बहुत अच्छा है। आप इनमें एसआईपी, एसटीपी या एकमुश्त (लम्प सम) तरीके से भी निवेश कर सकते हैं।

इन डिजिटल तरीकों के फायदे

परिचालन में आसानी : गोल्ड फंड ऑफ फंड्स कामकाजी झंझटों को खत्म करते हैं और सोने में निवेश का एक आसान रास्ता देते हैं।

झंझट खत्म : आपको प्योरिटी, मेकिंग चार्ज या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

आसान और पारदर्शी : इन डिजिटल माध्यम से, आप आसान, पारदर्शी और कम लागत वाले तरीके से सोना खरीद सकते हैं, जिसमें आपको सोने को फिजिकल रूप से रखने और उसकी सुरक्षा करने की कोई जरूरत नहीं होती है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स (एसजीबी) भारत सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं और ये सोने के ग्राम में मान्य होते हैं। इनसे मिलने वाला रिटर्न सोने की कीमत से जुड़ा होता है, साथ ही बॉन्ड की अवधि में लगभग 2.5% सालाना स्थिर ब्याज भी मिलता है।

एसजीबी के फायदे : यह डिजिटल फार्म में होता है तो रख रखाव का झंझट नहीं होता। साथ ही मेकिंग चार्ज की दिक्कत भी नहीं होती, स्टोरेज कास्ट भी नहीं। प्राइस अप्रेसिएशन के साथ सालाना 2.5 फीसदी ब्याज भी मिलता है। मैच्योरिटी पर सोने की मौजूदा कीमत के हिसाब से कैश मिलता है। सेकेंडरी मार्केट में लिक्विडिटी अच्छी है। सोने के मूल्य पर कैपिटल गेंस टैक्स नहीं लगता, केवल ब्याज पर टैक्स लगता है।

डिजिटल गोल्ड

आजकल कई फिनटेक ऐप्स और ज्वैलर-बैक्ड स्कीम्स आपको छोटे-मोटे निवेश में भी सोना खरीदने की सुविधा देती हैं। यह डिजिट वॉलेट में रखा जाता है। आपके पास डिजिटल रूप में सोना होता है, जो वॉल्ट में रखे गए भौतिक सोने से समर्थित होता है। इसमें निवेश की शुरुआत आसान है, आप 1 ग्राम भी सोना तुरंत खरीद सकते हैं। कुछ प्लेटफॉर्म पर इसे फिजिकल गोल्ड में बदला जा सकता है या गोल्ड ईटीएफ में परिवर्तित किया जा सकता है. इसमें कोई हैंडलिंग या स्टोरेज शुल्क नहीं लगता। हालांकि डिजिटल गोल्ड पर रेगुलेटर यानी आरबीआई या सेबी का कंट्रोल नहीं होता, यह निवेश का एक अनरेगुलेटेड तरीका है।

सिक्के और ज्वेलरी

इसे फिजिकल फॉर्म में खरीदा जाता है। यह आपके सामने होता है, जिसे देख और टच कर सकते हैं. इसमें लिक्विडिटी हाई है, इसे ज्वैलर्स या बुलियन डीलर्स को बेच सकते हैं। हालांकि इस पर मेकिंग चार्ज के रूप में ज्वेलर 5% से 20% तक चार्ज कर सकते हैं, जो बेचते समय आपको नुकसान पहुंचाता है। इसे सुरक्षित रखने का टेंशन होता है, क्योंकि चोरी का डर रहता है. प्योरिटी का रिस्क है, इसलिए हमेशा विश्वसनीय ज्वेलर से हॉलमार्क सोना ही खरीदें।

चमक गोल्ड ईटीएफ में 3 साल और 5 साल का रिटर्न भी बेहद मजबूत रहा, अब लोग मुनाफे के लिए गोल्ड में लगा रहे पैसा और हो रहे मालामाल

गोल्ड ईटीएफ में कमाया मुनाफा, जान लें टैक्स का गणित, 1 साल में 50% व 5 साल में 215% से ज्यादा रिटर्न दिया

सोना इस समय 1,30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार ट्रेड कर रहा

समझदारी

बिजनेस डेस्क

सोना निवेशकों के लिए लगातार गोल्डन डील साबित हुआ है। इस साल सोने में 45 फीसदी और 1 साल में 56 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिला है। सोने में 5 साल का रिटर्न 215 फीसदी से ज्यादा रहा है। सोना 1,34,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार ट्रेड कर रहा है, जबकि पिछली दिवाली पर इसकी कीमतें 79,000 रुपये से नीचे थीं। सोने में तेजी का एक और असर यह है कि हर गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड फंड ने 1 साल में 50 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। गोल्ड ईटीएफ में 3 साल और 5 साल का रिटर्न भी बेहद मजबूत है। सोना खरीदकार आपने मुनाफा तो जमकर कमा लिया, लेकिन क्या इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में जानकारी है। क्या आप जानते हैं कि आपको गोल्ड में कमाए हुए रिटर्न पर कितना टैक्स देना है।

ईटीएफ में टैक्स के ये नियम

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ को अब नॉन-इक्विटी कैपिटल एसेट माना जाता है। अगर आप गोल्ड ईटीएफ को 12 महीने से ज्यादा रखते हैं, तो मुनाफा लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और इस पर 12.5% की एकसमान टैक्स दर लगेगा, बिना इंडेक्सेशन अगर इसे 12 महीने या उससे कम समय तक रखते हैं, तो मुनाफा शॉर्ट-टर्म गेन (एसटीसीजी) माना जाएगा और आपकी इनकम के हिसाब से स्लैब रेट पर टैक्स देना होगा, जो हाई इनकम वालों के लिए 30% तक हो सकता है। पहले लॉन्ग-टर्म गेन के लिए 36 महीने तक होल्ड करना पड़ता था और इंडेक्सेशन का फायदा मिलता था, जिससे महंगाई के हिसाब से मुनाफे को एडजस्ट कर टैक्स कम करना संभव था। अब ये फायदा खत्म हो गया है, यानी अब निवेशकों को महंगाई से बढ़े मुनाफे पर भी टैक्स देना होगा। लॉन्ग-टर्म होल्डिंग पर 12.5% की एकसमान टैक्स दर है। मान लिया कि आपको 20,000 रुपये का मुनाफा पर 2,500 रुपये टैक्स बनेगा, यानी आपको 17,500 रुपये मिलेंगे। शॉर्ट-टर्म होल्डिंग की बात करें तो मुनाफे पर स्लैब रेट से टैक्स लगता है। अगर आपको 20,000 रुपये का मुनाफा हुआ और टैक्स रेट 30% है, तो 6,000 रुपये टैक्स देना होगा। यानी आपको 14,000 रुपये ही मिलेंगे।

फिजिकल गोल्ड पर टैक्स

भारत में फिजिकल गोल्ड (ज्वेलरी, सोने का सिक्का, सोने का बिस्कुट) सोने में निवेश का सबसे पॉपुलर विकल्प हैं। 36 महीने या उससे अधिक समय तक रखे गए सोने से मिलने वाले रिटर्न को लांग टर्म कैपिटल गेंस कहा जाता है। भारत के इनकम टैक्स एक्ट के अनुसार, आपको सोना बेचते समय लांग टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) पर 20 फीसदी टैक्स और 4 फीसदी सेस देना होगा। इस तरह से फिजिकल गोल्ड पर लगने वाला टैक्स 20.8 फीसदी है। इस अवधि से कम समय के लिए रखे गए सोने से मिलने वाले रिटर्न को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस कहा जाता है। एसटीसीजी के मामले में, टैक्स आपकी इनकम टैक्स स्लैब के आधार पर लगाया जाता है।

डिजिटल गोल्ड पर टैक्स

इसे आप ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं, यह डिजिट वॉलेट में रखा जाता है। डिजिटल गोल्ड पर रेगुलेटर यानी आरबीआई या सेबी का कंट्रोल नहीं होता, यह निवेश का एक अनरेगुलेटेड तरीका है। अगर आप डिजिटल गोल्ड 36 महीने या उससे अधिक समय तक रखते हैं, तो उस पर होने वाले मुनाफे को लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है। अगर गोल्ड 36 महीने से कम समय तक रखा जाता है, तो मुनाफे को शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) कहा जाता है। डिजिटल गोल्ड की बिक्री पर 20.8% टैक्स (एलटीसीजी) लगता है, जो फिजिकल गोल्ड और पेपर गोल्ड की तरह ही है। अगर यह शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) है, तो टैक्स आपकी आयकर स्लैब के अनुसार लगता है।

गोल्ड गिफ्ट पर टैक्स

इनकम टैक्स एक्ट की धारा 56(2) के अनुसार, माता-पिता, पति-पत्नी या बच्चों को सोने की ज्वेलरी गिफ्ट में देने पर इनकम टैक्स नहीं लगता है। दूसरी ओर, अगर आप रिश्तेदारों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति से 50,000 रुपये से अधिक वैल्यू का सोना गिफ्ट पाते हैं तो टैक्स देना होता है। ऐसी इनकम टैक्सेबल है क्योंकि इसे अन्य सोर्स से होने वाली इनकम माना जाता है। आप अपनी शादी में मिले सोने के गहनों पर भी टैक्स छूट पा सकते हैं, लेकिन अगर आप इन गिफ्ट को बेचना चाहते हैं तो सरकार कैपिटल गेंस की दर के अनुसार टैक्स लगाएगी।

एनआरआई के लिए टैक्स

इनकम टैक्स एक्ट के अनुसार, एनआरआई फिजिकल गोल्ड, डिजिटल गोल्ड, पेपर गोल्ड आदि में निवेश कर सकते हैं। हालांकि, आरबीआई और फेमा नियमों के अनुसार, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश नहीं कर सकते हैं। हालांकि सोने की बिक्री पर एनआरआई के लिए लागू टैक्स दर भारतीय निवासियों के समान है, लेकिन उन्हें गोल्ड ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के रिडेम्पशन पर टीडीएस का भुगतान करना होगा।

पेपर गोल्ड पर इनकम टैक्स

पेपर गोल्ड में गोल्ड म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड आदि शामिल हैं। अगर आप 12 महीने बाद यूनिट बेचकर इनकम हासिल करते हैं तो यह लांग टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) होता है और इस पर 12.5 फीसदी टैक्स देना पड़ता है। वहीं, 3 साल से कम समय तक रखे गए पेपर गोल्ड से मिलने वाले रिटर्न को शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस कहा जाता है। एसटीसीजी के मामले में, टैक्स आपकी इनकम टैक्स स्लैब के आधार पर लगाया जाता है।

स्टॉक को थम्स मिला अप

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर अच्छे नतीजों के बाद 3.5% भागे

दोपहर के समय 52.20 रुपये यानी 3.68 फीसद की बढ़त के साथ 1468 रुपये के आसपास रही शेयर की कीमत। नोमुरा, मॉर्गन स्टेनली, कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज में दिखा मजबूत प्रदर्शन

एजेंसी ▸▸| मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को इंट्राडें में 3.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई। कंपनी को सितंबर तिमाही के मजबूत आंकड़ों (वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही) से सपोर्ट मिला है। दूसरी तिमाही के अच्छे नतीजों के बाद ब्रोकरेज से भी स्टॉक को थम्स अप मिला है। फिलहाल ये शेयर 1.45 बजे दोपहर के आसपास 52.20 रुपये यानी 3.68 फीसद की बढ़त के साथ 1468 रुपये के आसपास दिख रहा है। नोमुरा, मॉर्गन स्टेनली, कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज, जेपी मॉर्गन और मैक्वेरी जैसे कई ब्रोकरेज फर्मों कंपनी के रिटेल कारोबार के मजबूत प्रदर्शन, ऑयल और केमिकल सेगमेंट की अच्छी आय और जियो के टैरिफ में बढ़त और न्यू एनर्जी कारोबार से मिलने वाले आगामी ट्रिगर्स को ध्यान में रखते हुए दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद रिलायंस के ग्रोथ आउटलुक को लेकर बुलिश हैं।

> ऑयल और केमिकल सेगमेंट की अच्छी आय और जियो के टैरिफ में बढ़त और न्यू एनर्जी कारोबार से मिलने वाले आगामी ट्रिगर्स को ध्यान में रखते हुए दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद रिलायंस के ग्रोथ आउटलुक को लेकर बुलिश हैं।

डिजिटल कारोबार में अच्छी ग्रोथ

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14.3 फीसदी बढ़कर 22,092 करोड़ रुपये पर रहा है। इसकी मुख्य वजह ऑयल-टू-केमिकल , रिटेल और डिजिटल कारोबार में हुई अच्छी ग्रोथ रही है। इस तिमाही के दौरान कंपनी का कैपेक्स 40,000 करोड़ रुपये रहा और नेट डेट सपाट रहा। बाजार जानकारों का मानना है कि रिटेल सेक्ट में हुए सुधार और टेलीकॉम सेगमेंट से लगातार हो रहे मुनाफे के कारण कंपनी के सभी अहम सेक्टरों का प्रदर्शन संतुलित रहा है।

रिलायंस पर नोमुरा की राय

नोमुरा ने रिलायंस के शेयर को 1,700 रुपये प्रति शेयर के लक्ष्य के साथ खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि दूसरी तिमाही में रिटेल सेक्टर में अच्छी बढ़त के चलते कंपनी ने वित्त वर्ष 26 और वित्त वर्ष 27 के लिए अपने अबिटडा अनुमान 4 प्रतिशत और 12 प्रतिशत बढ़ा दिए हैं। ब्रोकरेज फर्म ने आरआईएल के अगले विकास चरण के लिए तीन प्रमुख कारकों की पहचान की है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की राय

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने 1,600 रुपये के लक्ष्य के साथ रिलायंस को एड कॉल दी है। ब्रोरेज का कहना है कि कंपनी का रिटल और ओवरऑल अबिटडा दोनों अनुमानों से बेहतर रहे हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि रिटेल, टेलीकॉम और डिजिटल कारोबार मजबूत बने हुए हैं।

खबर संक्षेप

एचडीएफसी बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 11% बढ़ा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी ने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) में कुल 91,041 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 63,117 करोड़ रुपये कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए। इसके बाद बैंक के पास 18,641 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 16,821 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सालाना आधार यह 11% बढ़ा है। जब कोई व्यक्ति या संस्था किसी बैंक से लोन लेकर उसे वापस नहीं करती, तो उसे बैड लोन या नॉन परफॉर्मिंग एसेट या एनपीए कहा जाता है। यानी इन लोन्स की रिकवरी की उम्मीद काफी कम होती है।

इंडिगो ने 30 नए ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने एयरबस को 30 और ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है। नए ऑर्डर के साथ ही कंपनी की कुल वाइड-बॉडी विमानों की ऑर्डर संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इंडिगो का एयरबस को यह ऑर्डर नया नहीं है। कंपनी ने 70 एयरबस ए350-900 एयरक्राफ्ट्स के लिए परचेज राइट्स किए थे, उसी में से 30 को ऑर्डर्स में बदला गया है। इंडिगो ने पहली बार 30 एयरबस ए3500900 जहाजों के लिए अप्रैल 2024 में ऑर्डर प्लेस किया था।

एनसो ग्रुप ने बोरिस बेकर को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली। प्रमुख हीरा व्यापार कंपनी तथा ऊर्जा एवं खनन समूह एनसो ग्रुप ने रविवार को पूर्व टेनिस खिलाड़ी बोरिस बेकर को अपनी प्रौद्योगिकी इकाई एनसो वेबवर्क्स का ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त करने की घोषणा की। एनसो ग्रुप ने बयान में कहा कि यह नियुक्ति डिजिटल मंचों और पेशेवर नेटवर्कों पर बेकर के ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम है। कंपनी ने कहा, ''सबसे कम उम्र के विंबलडन चैंपियन के रूप में इतिहास में स्थान बनाने से लेकर एक उद्यमी और परोपकारी व्यक्ति के रूप में खुद को पुनः स्थापित करने तक, बेकर की यात्रा अनुशासन, साहस और दूरदर्शिता का प्रतीक है।

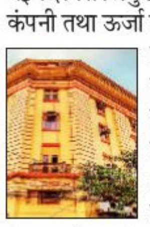

50,000 रुपये के बजट में पांच स्मार्टफोन का ऑफर

नई दिल्ली। अगर आप दिवाली पर नया स्मार्टफोन लेने का प्लान बना रहे हैं और बजट 50 हजार रुपए है तो आप तो एपल, सैमसंग, गूगल जैसे ब्रांड्स के प्रीमियम फोन खरीद सकते हैं। इस रेंज के स्मार्टफोन्स में प्रीमियम लुक, फास्ट प्रोसेसर, बड़ी बैटरी, बेहतर कैमेरा, बड़ी डिस्प्ले और एआई असिस्टेंस जैसे फीचर्स मिल जाएंगे। इनमें आईफोन 15, कीमत 49,999 रुपए, सैमसंग गैलेक्सी एस 24, कीमत 39,999, गूगल पिक्सल 9ए, कीमत 42,000 रुपए, ओप्पो रेनो 14 प्रो.. कीमत 48,999 रुपये और मोटोरोला एज 50 अल्ट्रा, कीमत 42,999 शामिल हैं।

सोने का वायदा भाव 982 रुपये बढ़कर 1,27,990 रुपये प्रति 10 ग्राम

दिवाली पर सुरक्षित निवेश की मांग से लौटी सोने-चांदी की चमक

सोने का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,680 रुपये या 1.31 प्रतिशत बढ़कर 1,29,743 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया।

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और रिकॉर्ड ऊंचाई से कुछ गिरावट के बाद मूल्य आधारित खरीदारी की के चलते घरेलू वायदा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी लौट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 982 रुपये या 0.77 प्रतिशत बढ़कर 1,27,990 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 14,913 लॉट के लिए कारोबार हुआ। शुक्रवार को सोना 1,32,294 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, हालांकि बाद में इसमें गिरावट हुई और यह 1,27,008 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। सोने का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,680 रुपये या 1.31 प्रतिशत बढ़कर 1,29,743 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया।

> चांदी वायदा में भी सुधार, 1,522 बढ़कर 1,58,126 रुपये प्रति किलो

यह बोली ब्रोकरेज फर्म

ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि चांदी के बाजार में मजबूत स्ट्रक्चरल बदलाव देखने को मिल रहा है, जो इसे पिछले तेजी के दौर (1980 और 2011) से अलग बनाता है। रिपोर्ट में कहा गया, "चांदी की औद्योगिक मांग मजबूत बनी हुई है, और सप्लाई की सीमाएं इस बात का संकेत हैं कि लंबे समय में इसकी कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं। इंडस्ट्रीज में खपत को नियंत्रित रखने और उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए ऊंचे दाम आवश्यक होंगे।" एनालिस्ट्स का यह भी कहना है कि चांदी की अस्थिरता इसे सोने की तुलना में लगभग 1.7 गुना तेजी से ऊपर-नीचे करती है।

चांदी का यह हाल

चांदी वायदा में भी सुधार हुआ। दिसंबर डिलीवरी के लिए यह 1,522 रुपये या 0.97 प्रतिशत बढ़कर 1,58,126 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसमें 23,985 लॉट के लिए कारोबार हुआ। एमसीएक्स पर चांदी 1,70,415 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर थी। विश्लेषकों ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं और अमेरिका में लंबे समय तक 'शटडाउन' (सरकार के ज्यादातर कामकाज पर रोक) रहने की चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश की मांग मजबूत बनी हुई है।

यह बोले एक्सपर्ट

रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी ने कहा, शुक्रवार को भारी गिरावट के बाद सोमवार को सोने की कीमतें बढ़कर 4,255 डॉलर प्रति औंस हो गईं। निवेशक अमेरिका और चीन के बीच आगामी वार्ता पर कड़ी नजर रख रहे हैं। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और चीनी उप प्रधानमंत्री ही लिफेंग इस सप्ताह मुलाकात करने वाले हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह आशा व्यक्त की थी कि वार्ता से समझौता हो सकता है, लेकिन उन्होंने हाई टैरिफ की धमकी को अस्थिर बताया था।

क्या इस समय सोने में निवेश करना सही

कुछ विशेषज्ञ खरीदारी शुरू करने से पहले सोने की कीमतों में कुछ गिरावट का इंतजार करने की सलाह देते हैं। एसएमसी ग्लोबल में कमोडिटी रिसर्च हेड वंदना भारती ने कहा, कीमतों के सामान्य होने का इंतजार करना उचित है। चांदी में 85 प्रतिशत और सोने में 70 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के बाद, सोने में 1,18,000-1,20,000 और चांदी में 1,40,000 का स्तर खरीदारी के लिए अच्छा है।

पिछले सत्र में सोने में भारी गिरावट आई

पिछले सत्र में सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई। एमसीएक्स गोल्ड के दिसंबर वायदा अनुबंध 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,27,320 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुए, जबकि अमेरिकी सोना वायदा 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 4,213.30 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर बंद हुआ था। बढ़ती वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं, केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी, अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में भारी निवेश के कारण घरेलू हाजिर बाजार में सोने की कीमतों में 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

17.57 करोड़ शेयरों का ओएफएस शामिल

जल्द ही खुलने वाला है मीशो का 4,250 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली। वेल्यू-फोकस्ड ई-कॉमर्स दिग्गज मीशो भारतीय स्टार्टअप जगत की सबसे बड़ी लिस्टिंग में से एक के लिए कमर कस रहा है। प्रस्तावित आईपीओ में 4,250 करोड़ का एक फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17.57 करोड़ शेयरों का ओएफएस शामिल है। इस आईपीओ के लिए कोटक, जे.पी. मॉर्गन, मॉर्गन स्टेनली, एक्सिस कैपिटल और सिटी को लीड मैनेजर है।

ओएफएस के तहत एलीवेशन कैपिटल सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 5.54 करोड़ शेयर बेच रहा है। इसके बाद पीक एक्सवी पार्टनर्स 3.05 करोड़ शेयर, वेंचर हाईवे 1.57 करोड़ शेयर, वाई कॉम्बिनेटर कंटिन्यूटी 1.26 करोड़ शेयर और गोल्डन समिट लिमिटेड 80 लाख शेयर बेच रहे है। कंपनी एक फाउंडर विदित आत्रे (सीईओ) और संजीव कुमार (सीटीओ) ने भी ओएफएस में हिस्सा लिया है, जिनमें से प्रत्येक 1.18 करोड़ शेयर बेच रहा है।

कैसी है कंपनी की वित्तीय सेहत

मीशो की टॉप लाइन तेजी से बढ़ रही है, जो मुख्य रूप से इसके कोर मार्केटप्लेस सेगमेंट से प्रेरित है। कंपनी का राजस्व फाइनेंशल ईयर 25 में 9,389.9 करोड़ रहा, जो फाइनेंशल ईयर 24 से 23% और फाइनेंशल ईयर 23 से 64% अधिक है। फाइनेंशल ईयर 25 में कंपनी का शुद्ध घाटा 3,941.7 करोड़ रहा। हालांकि, मार्केटप्लेस के लिए इसका एबिटडा घाटा तेजी से कम हुआ है। कंट्रीब्यूशन मार्जिन फाइनेंशल ईयर 23 में 5,658 करोड़ से बढ़कर फाइनेंशल ईयर 25 में 14,836 करोड़ हो गया। ऑर्डरों की संख्या में 33% सीएआरजी की वृद्धि हुई। प्रति ऑर्डर लागत फाइनेंशल ईयर 23 में 50.45 से घटकर फाइनेंशल ईयर 25 में 43.08 हो गई। 5,700 करोड़ से अधिक की नकदी और निवेश, और शून्य ऋण के साथ, मिशू एक मजबूत बैलेंस शीट के साथ आईपीओ ला रहा है।

आईपीओ के पैसों का क्या होगा

मीशो नए इश्यू से जुटाए जाने वाले 4,250 करोड़ के एक महत्वपूर्ण हिस्से का उपयोग अपनी विकास रणनीति को गति देने के लिए करेगी। 1,390 करोड़ क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, और 480 करोड़ शीर्ष इंजीनियरिंग और एआई टैलेंट को नियुक्त करने पर खर्च किए जाएंगे। 1,020 करोड़ रुपये मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण प्रयासों के लिए रिजर्व है।

मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर देसाई का दावा

हमारा मार्केट दूसरे देशों को पीछे छोड़ेगा, भारत पर बुलिश नजरिए के अलावा कोई विकल्प नहीं

शेयर मार्केट नया रिकॉर्ड बना रहा, जीएसटी कम होने से बाजार को मिल रहा बढ़ावा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

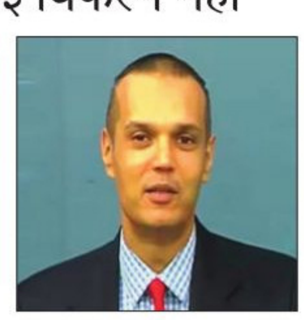

भारतीय बाजार ने पिछले एक साल से ज्यादा वक्त से अंडरपरफॉर्म किया है। लेकिन दिवाली से कुछ पहले ही बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। बैंक निफ्टी नया हाई लगा चुका है। निफ्टी भी नए शिखर की ओर बढ़ रहा है। कंपनियों के नतीजे बेहतर होने लगे हैं। जीएसटी कटौती और ब्याज दरों के नीचे आने से कंजम्पशन को पुश मिला है। ऐसे में क्या भारतीय बाजारों के लिए गुड लक सिनारियो बन रहा है। ऐसे में अब किन थीम पर फोकस करना चाहिए? इस पर दिवाली सेलिब्रेशन और मार्केट की मेगा ट्रेंड पर चर्चा करते हुए मॉर्गन स्टैनली के मैनेजिंग डायरेक्टर रिधम देसाई ने कहा कि सेंट्रल बैंक का फोकस ग्रोथ बढ़ाने पर है। आरबीआई के कदमों से एक साल में 12-13 फीसदी लोन ग्रोथ संभव है।

आगे बैंक व कंज्यूमर शेयरों में तेजी बढ़ेगी

उन्होंने आगे कहा कि घरेलू निवेशकों की बाजार में रुचि लगातार बढ़ रही है। टूरिस्ट मनी को अब एआई ट्रेड करना है, जो कि भारत में नहीं है। पिछले 1 साल से दुनिया में एआई ट्रेडिंग का चलन बढ़ा है। हमें एआई के रोजमर्रा के इस्तेमाल मॉडल पर काम करना चाहिए। भारत पर जीडीपी का 75% तक कर्ज है। उन्होंने आगे कहा कि अब लार्जकैप और मिडकैप सब साथ में चलेंगे। शॉर्ट-कवरिंग का फायदा लार्जकैप को मिलेगा। आगे बैंक और कंज्यूमर शेयरों में तेजी बढ़ेगी।

बाजार की तेजी को लीड कर सकते हैं बैंक

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों के नतीजों में 15-20 फीसदी की ग्रोथ संभव है। बाजार की तेजी को बैंक लीड कर सकते हैं। बैंकों के वैल्युएशन सस्ते हैं। आरबीआई एक-दो रेट कर सकता है। अगले एक साल में बैंकों नतीजे अच्छे होंगे। आरबीआई एक-दो बार और रेट कट कर सकता है। आरबीआई से दरों में कटौती और जीएसटी घटने से बाजार के लिए मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। नॉमिनल ग्रोथ बढ़ेगी तो भी अर्निंग में तेज ग्रोथ देखने को मिल सकती है। डबल रेट कट और सीआरआर घटाने जैसी बात पिछले 25 साल में सिर्फ 2 बार देखने को मिली है।

चीन की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर में 4.8 प्रतिशत बढ़ी

हांगकांग (एपी)। चीन की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर में सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़ी, जो एक साल में सबसे धीमी बढ़ोतरी है। अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और कमजोर घरेलू मांग के चलते चीन की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। सरकार ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि जुलाई-सितंबर के आंकड़े 2024 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे धीमी वृद्धि को दर्शाते हैं। इससे पिछली तिमाही में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत थी। इस साल जनवरी-सितंबर में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था 5.2 प्रतिशत वार्षिक गति से बढ़ी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन से आयात पर उच्च शुल्क लगाने के बावजूद, देश का निर्यात अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है क्योंकि कंपनियां दुनिया के दूसरे देशों में बिक्री बढ़ाने पर जोर दे रही हैं।

तीन शेयरों पर दांव लगाकर चमका सकते हैं किस्मत, मिल सकता है दमदार रिटर्न

मुंबई (एजेंसी)। जेमस्टोन इक्विटी रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज के फाउंडर और मार्केट एनालिस्ट मिलन वैष्णव का मानना है कि नया संवत 2082, भारतीय शेयर बाजारों के लिए एक मजबूत साल साबित हो सकता है। उन्होंने मनीकंट्रोल के साथ एक बातचीत में कहा, ग्लोबल शेयर बाजारों की चाल स्थिर रहने की उम्मीद है। लेकिन मुझे लगता है कि शॉर्ट-टर्म चुनौतियों के बावजूद भारतीय शेयर मार्केट भी देर-सवेर रफ्तार पकड़ लेंगे। वैष्णव ने कहा, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक अपने नए बुल रन की शुरुआत पर हैं। आने वाले महीनों में इन दोनों बैंकों में मजबूत तेजी देखने को मिल सकती है।" मंगलवार 21 अक्टूबर को होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए वैष्णव ने तीन शेयरों को अपने टॉप पिक्स के रूप में सुझाया है।

भारती एयरटेल

वैष्णव के मुताबिक, यह शेयर ब्रॉडर मार्केट्स के मुकाबले लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों में से एक रहा है। फिलहाल, इसने कई महीनों का ब्रेकआउट हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, "मौजूदा स्तरों पर यह स्टॉक आकर्षक है और आने वाले महीनों में 15% तक की बढ़त दे सकता है।"

मुहूर्त ट्रेडिंग पर रणनीति

मिलन वैष्णव ने बताया कि वह आमतौर पर मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन के दौरान सिर्फ प्रतीकात्मक ट्रेड्स ही करते हैं। उन्होंने कहा, "मुहूर्त ट्रेडिंग एक 45 मिनट का सेशन होता है, जिसमें रिटेल और इंस्टीट्यूशनल दोनों की ही भागीदारी बहुत कम रहती है। इसलिए एनालिसिस के लिहाज से इसका महत्व सीमित होता है। यह ट्रेडिंग धार्मिक और भावनात्मक नजरिए से महत्वपूर्ण होती है, न कि तकनीकी रूप से। इसके अलावा मुहूर्त ट्रेडिंग के अगले दिन शेयर बाजार में छुट्टी भी रहती है।"

समुदाय ने 186 लक्जरी कार खरीदीं, छूट के रूप में 21 करोड़ रुपये बचाए

गुजरात में जैन समुदाय का 'अपनी तरह का अनूठा सौदा'

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

गुजरात में जैन समुदाय ने 21 करोड़ रुपये की छूट प्राप्त कर 186 महंगी (लक्जरी) कारें घर लाकर अपनी जबर्दस्त खरीद क्षमता दिखाई है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के उपाध्यक्ष हिमांशु शाह ने बताया कि बीएमडब्ल्यू, ऑडी और मर्सिडीज जैसे लक्जरी वाहन ब्रांड के साथ यह 'अपनी तरह का अनूठा सौदा' जेआईटीओ द्वारा किया गया।

शाह ने बताया कि जेआईटीओ एक गैर-लाभकारी सामुदायिक संस्था है जिसके पूरे भारत में 65,000 सदस्य हैं। शाह ने कहा, ये 186 लक्जरी कारें, जिनमें से प्रत्येक की कीमत 60 लाख रुपये से 1.3 करोड़ रुपये के बीच है, इस साल जनवरी से जून के बीच पूरे भारत में उनके मालिकों को सौंप दी गईं।

संगठन केवल सुविधा प्रदाता रहा

जेआईटीओ के राष्ट्रव्यापी अभियान से हमारे सदस्यों को छूट के रूप में 21 करोड़ रुपये की बचत हुई।'' उन्होंने कहा कि संगठन केवल एक सुविधा प्रदाता के रूप में था और उसे इस सौदे से कोई लाभ नहीं हुआ। शाह ने कहा कि अधिकांश कारें गुजरात के जैन समुदाय के लोगों ने खरीदीं।

क्रय शक्ति का लाभ उठाया

इस पहल के सूत्रधार नितिन जैन ने बताया कि यह सब तब शुरू हुआ जब कुछ जेआईटीओ सदस्यों ने समुदाय की मजबूत क्रय शक्ति का लाभ उठाकर कार विनिर्माताओं से भारी छूट हासिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, चूंकि क्रय शक्ति जैन समुदाय की प्रमुख खूबियों में से एक है, इसलिए हमने अपने सदस्यों की खरीदारी पर ज्यादा छूट सुनिश्चित करने के लिए ब्रांड से सीधे संपर्क करने का विचार बनाया।

कार निर्माताओं की विपणन लागत कम हुई

कार विनिर्माताओं ने भी इसे फायदेमंद समझा और हमें छूट की पेशकश की क्योंकि इस सौदे से उनकी विपणन लागत कम हो गई। उन्होंने बताया कि भारी छूट की बात फैलने से पहले ही समुदाय के कुछ सदस्यों ने शुरुआत में कारें खरीद लीं।

औसतन आठ से 17 लाख रुपए प्रत्येक ने बचाए

जैन ने मजाकिया अंदाज में कहा, "जल्द ही, अन्य जेआईटीओ सदस्यों ने भी कारें खरीदना शुरू कर दिया। कुल मिलाकर, 186 कारें खरीदी गईं और 21 करोड़ रुपये की बचत हुई। औसतन, प्रत्येक सदस्य ने आठ लाख रुपये से 17 लाख रुपये के बीच बचाए, जो परिवार के किसी सदस्य के लिए एक और कार खरीदने के लिए पर्याप्त हैं।"

उत्सव नाम से नई पहल शुरू

जैन ने आगे बताया कि अपने सफल लक्जरी कार सौदे से उत्साहित जेआईटीओ ने अब 'उत्सव' नाम से एक नई पहल शुरू की है, जिसमें आभूषण, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रमुख ब्रांड के साथ इसी तरह की व्यवस्था की गई है।

मोरक्को ने अर्जेंटीना को हराकर पहली बार अंडर-20 विश्व कप खिताब जीता

सैंटियागो। स्ट्राइकर यासिर ज़ब्रिनी के दो गोल की मदद से मोरक्को ने अर्जेंटीना को 2-0 से हराकर पहली बार अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। रविवार को खेले गए फाइनल में ज़ब्रिनी ने 12वें और 29वें मिनट में गोल करके मोरक्को को 2009 में घाना के बाद अंडर-20 खिताब जीतने वाला पहला अफ्रीकी देश बनने में अहम भूमिका निभाई। मोरक्को ने स्पेन, ब्राजील और मैक्सिको जैसी मजबूत टीमों की मौजूदगी के बावजूद अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और फिर नॉकआउट चरण में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और फ्रांस को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अर्जेंटीना की टूर्नामेंट में यह पहली हार थी जिससे उसका सातवां खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

खबर संक्षेप

साल खराब रहा था लेकिन अब बहुत खुश हूं: नाइट

इंदौर। इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज हीथर नाइट को कुछ महीने पहले तक विश्वास नहीं था कि वह महिला वनडे विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाएंगी या नहीं लेकिन अब भारत के खिलाफ शतक लगाने से वह बहुत खुश हैं। नाइट को इस साल के शुरू में कप्तान पद से हटा दिया गया था और उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जिसके कारण उन्हें विश्वास नहीं था कि वह विश्व कप के लिए टीम में जगह बना पाएंगी। नाइट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं सचमुच बहुत खुश हूं। विश्व कप से पहले मेरे लिए यह साल बहुत ही खराब रहा है, झूठ नहीं बोलूंगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं वास्तव में इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक थी क्योंकि मेरे लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था।

अभय अमेरिकी ओपन स्क्वाश में आगे बढ़े

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह फिलाडेल्फिया में 226,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए प्लेटिनम स्क्वाश प्रतियोगिता अमेरिकी ओपन के राउंड-ऑफ-16 में पहुंच गए, लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रमित टंडन अपने शुरुआती मैच में हार गए। विश्व में 30वें स्थान पर काबिज 27 वर्षीय अभय ने रविवार को 62 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में मिस्र के विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद एलशेरबिनी को 11-8, 4-11, 4-11, 11-6, 11-5 से हराया और अब उनका अगला मुकाबला वेल्स के तीसरे वरीय जोएल माकिन से होगा। टंडन को न्यूजीलैंड के विश्व में तीसरे नंबर के खिलाड़ी पॉल कोल से 5-11, 9-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा।

पहलवान सरिता मोर की मैट पर वापसी की तैयारी

बहादुरगढ़। हरियाणा की पूर्व विश्व नंबर-1 महिला पहलवान सरिता मोर मां बनने के कुछ ही दिनों बाद एक बार फिर कुश्ती के अखाड़े में वापसी की तैयारी कर रही हैं। 7 अक्टूबर को बेटे को जन्म देने के बाद सरिता ने सिर्फ 9 दिन में ही फिटनेस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। उनके पति और कोच राहुल मान का कहना है कि सरिता करीब 40 दिन की परंपरागत अवधि पूरी होने के बाद ट्रेनिंग शुरू करेंगी।

गिल के लिए कप्तानी की राह आसान नहीं

कप्तान बनते ही लगा कलंक, विराट कोहली जैसा घटिया रिकॉर्ड अपने नाम करा गए शुभमन गिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया के लिए निराशाजनक रहा। पर्थ में खेले गए इस मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार ने भारतीय क्रिकेट टीम के शानदार जीत के लय को तोड़ दिया, जो साल 2025 में बना था। अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा की सफलता के बाद, शुभमन गिल पर जीत की उम्मीदों का दबाव और भी बढ़ गया है, जिसे वह अपने पहले ही मैच में संभाल नहीं पाए। टीम इंडिया को अब इस हार से उबरकर सीरीज में वापसी करनी होगी। कप्तान शुभमन गिल और टीम मैनेजमेंट को अगले मुकाबले में अपनी रणनीति पर गहन विचार करने की जरूरत है, ताकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज उनके हाथ से न निकल जाए।

- कप्तान रोहित शर्मा की सफलता के बाद, शुभमन गिल पर जीत की उम्मीदों का दबाव
- जिसे वह अपने पहले ही मैच में संभाल नहीं पाए।

2025 में टीम इंडिया की पहली हार

यह हार भारतीय टीम के लिए इसलिए भी बड़ी है क्योंकि यह साल 2025 में वनडे फॉर्मेट में उसकी पहली हार है। इस हार के साथ ही टीम इंडिया की आठ मैचों की लगातार जीत का सिलसिला थम गया। यह जीत की लय तब बनी थी जब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा संभाल रहे थे। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2025 में खेले गए सभी 8 वनडे मुकाबलों में जीत दर्ज की थी, जिसमें टीम का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा था। हालांकि, शुभमन गिल के हाथों में कप्तानी आते ही यह जीत की लय टूट गई। गिल के नेतृत्व में पहला मैच ही टीम हार गई, जिससे टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अब वह सीरीज में 0-1 से पीछे हो गई है।

कप्तानी का अनचाहा संयोग

शुभमन गिल के लिए यह हार एक अनचाहा संयोग लेकर आई है। वह उन भारतीय कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अपने नेतृत्व में तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी20) में से प्रत्येक में पहला मैच गंवाया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड सिर्फ विराट कोहली के नाम था। यह रिकॉर्ड दिखाता है कि गिल के लिए कप्तानी की राह आसान नहीं रहने वाली है।

क्रिकेट

अफगानिस्तान ने पाक के साथ खेलने से मना किया

- भारत आएगी अफगानिस्तान टीम, नवंबर में होगी ट्राई सीरीज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खेलने से मना कर दिया है। अगले महीने पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच ट्राई सीरीज होना था। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक किए। इसके देश के तीन युवा क्रिकेटर्स की मौत हो गई। इसके बाद अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया। अब अफगानिस्तान भारत दौरे पर अपनी टीम भेजेगी।

अंडर-19 ट्राई सीरीज के लिए दौरा

अफगानिस्तान की अंडर-19 क्रिकेट टीम अगले महीने भारत के दौरे पर आएगी। अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि कर दी है। अगले साल की शुरुआत में अंडर-19 विश्व कप है। उससे पहले भारत में अफगानिस्तान की टीम ट्राई सीरीज में हिस्सा लेगी। सीरीज की दो अन्य टीमें इंडिया अंडर-19 ए और इंडिया अंडर-19 बी होगी। 17 नवंबर की इस ट्राई सीरीज की शुरुआत होगी। तीनों टीम एक दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। टॉप-2 पर रहने वाली टीम के बीच 30 नवंबर को खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। सभी मुकाबले बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर होंगे।

चैंपियंस लीग

एफसी गोवा से मुकाबले के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं

भाषा ▶▶| मडगांव

सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को यहां पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्टूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। सऊदी अरब के खेल समाचार पत्र अल रियादिया के अनुसार एफसी गोवा प्रबंधन के कई बार अनुरोध के बावजूद 40 वर्षीय रोनाल्डो अल नासर की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। एफसी गोवा ने पूर्व एएफसी कप विजेता अल सीब को हराकर चैंपियंस लीग के दूसरे चरण में जगह बनाई थी। इसके बाद उसे टूर्नामेंट के इस चरण के लिए अल नासर के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। रोनाल्डो पिछले कुछ समय से सऊदी अरब के इस क्लब की तरफ से खेल रहे हैं।

जिमनास्टिक विश्व चैंपियनशिप.....

चीन के शी कांग इंडोनेशिया के जकार्ता में 53वीं कलात्मक जिमनास्टिक विश्व चैंपियनशिप के दौरान क्षैतिज बार पर प्रतिस्पर्धा करते हुए।

पाकिस्तान ने 39 वर्षीय स्पिनर आसिफ अफरीदी को टेस्ट टीम में शामिल किया

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए 39 वर्ष के बाएं हाथ के स्पिनर आसिफ अफरीदी को अपनी टीम में शामिल किया है। स्पॉट फिक्सिंग के लिए छह महीने का प्रतिबंध झेल चुके अफरीदी ने अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। पाकिस्तान ने अबरार अहमद की जगह उन्हें प्राथमिकता दी है। वह पाकिस्तान के नियमित स्पिनरों, बाएं हाथ के नोमान अली और ऑफ स्पिनर साजिद खान के साथ मिलकर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। अफरीदी पर घरेलू क्रिकेट में स्पॉट फिक्सिंग में शामिल होने के कारण एक वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया था और छह महीने तक वह इस प्रतिबंध को झेलते रहे, जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें वापसी की अनुमति दे दी। बोर्ड ने हालांकि उन पर लगे प्रतिबंध में ढील देने का कोई कारण नहीं बताया। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट मैच 94 रन से जीता था।

महिला वनडे विश्व कप: इंग्लैंड के हाथों चार रन से मिली थी हार

हमारा शॉट चयन बेहतर हो सकता था: मंधाना

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला वनडे विश्व कप में इंग्लैंड के हाथों चार रन से मिली हार की जिम्मेदारी लेते हुए स्वीकार किया कि उनके आउट होने से बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया और उनका शॉट चयन बेहतर हो सकता था। भारत 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय अच्छी स्थिति में था लेकिन उसे आखिर में हार का सामना करना पड़ा। मंधाना ने 88 रन बनाए तथा कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ 125 और दीप्ति शर्मा के साथ 67 रन की साझेदारी की। लेकिन गलत शॉट खेलने के कारण उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। इससे इंग्लैंड को वापसी का मौका मिल गया। मंधाना ने रविवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि हम अपने शॉट चयन में और बेहतर कर सकते थे। इसकी शुरुआत मुझसे हुई, इसलिए मैं मानती हूं कि हमारा शॉट चयन बेहतर होना चाहिए था।'' उन्होंने कहा, ''हमें बस छह रन प्रति ओवर चाहिए थे।

शायद हमें खेल को और आगे ले जाना चाहिए था। मैं इसकी जिम्मेदारी लेती हूं क्योंकि विकेट पतन की शुरुआत मुझसे ही हुई थी।'' पहले चार मैचों में पांच गेंदबाजों के संयोजन के साथ खेलने के बाद, टीम प्रबंधन ने इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने के लिए बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के स्थान पर तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को लाने का फैसला किया। मंधाना ने कहा, ''पिछले दो मैचों में हमने निश्चित रूप से सोचा था कि पांच गेंदबाजी विकल्प पर्याप्त नहीं हैं, विशेष कर इंदौर के सपाट विकेट पर। इसलिए हमने सोचा कि पांच गेंदबाजों के साथ उतरने से हमें नुकसान होगा।'' उन्होंने कहा, ''जेमी जैसी खिलाड़ी को बाहर करना बहुत मुश्किल फैसला था। लेकिन कभी-कभी संतुलन बनाए रखने के लिए आपको इस तरह की चीजें करनी पड़ती हैं। ऐसा नहीं है कि हम आगे भी ऐसा करेंगे। हम परिस्थितियों को देखकर फैसला करेंगे।''

पाकिस्तान पर बड़ी जीत से शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

भाषा ▶▶| कोलंबो

दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है और अब उसकी टीम मंगलवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महिला वनडे विश्व कप के मैच में जीत की लय बरकरार रखने और ग्रुप चरण में शीर्ष दो में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के इरादे से उतरेगी। कोलंबो का मौसम फिर से खेल बिगाड़ सकता है लेकिन अगर खेल संभव होता है तो अब तक आठ अंक हासिल कर चुकी दक्षिण अफ्रीका की टीम लीग मुकाबले समाप्त होने से पहले अपने खाते में दो और अंक जोड़ना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम अगर लीग चरण में शीर्ष दो में जगह बनाती है तो इससे वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने से बच सकती है। ऑस्ट्रेलिया तालिका में शीर्ष पर रहने का प्रबल दावेदार दिख रहा है, जिसका मुकाबला चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा।

मोदी बोले- 'ऑपरेशन सिंदूर' से अन्याय का बदला लिया

-श्रीराम से ली प्रेरणा: दीपावली पर देश के नाम पीएम का संदेश

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दीपावली के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए एक भावनात्मक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने न केवल दीपावली की महत्ता और भगवान श्रीराम के आदर्शों का उल्लेख किया, बल्कि हाल ही में हुए "ऑपरेशन सिंदूर" और देश में नक्सलवाद के अंत की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। मोदी ने कहा कि यह दीपावली विशेष है, क्योंकि यह अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दूसरी दीपावली है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें धर्म, न्याय और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रीराम ने सदैव अन्याय और अधर्म के खिलाफ संघर्ष किया, और हमें भी उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में हाल ही में हुए "ऑपरेशन सिंदूर" का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने न्याय और साहस की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि यह अभियान देश के वीर सैनिकों की वीरता और समर्पण का प्रतीक है। यह ऑपरेशन उन लोगों के लिए चेतावनी है जो भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ खड़े हैं। मोदी ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखाया है कि भारत अन्याय को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और हर चुनौती का डटकर सामना करेगा।" उन्होंने आगे कहा कि देश के कई हिस्सों में, विशेष रूप से दूरदराज और नक्सल प्रभावित इलाकों में, अब शांति और विकास की रोशनी फैल रही है। वर्षों तक हिंसा और आतंक के साए में जीने वाले लोग अब दीपावली के दीप जला रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बदलाव को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि यह भारत की "विकास

यात्रा" का नया अध्याय है। मोदी ने यह भी बताया कि आज देश में कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर संविधान में विश्वास जताया है। जो कभी हथियार उठाते थे, अब वे भारत की प्रगति की धारा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल शांति की जीत नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की जीत है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आग्रह किया कि वे दीपावली के इस पावन अवसर पर एक दीपक उन सुरक्षाबलों के नाम भी जलाएं जो दिन-रात देश की रक्षा में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल घरों को रोशन करने का त्योहार नहीं, बल्कि दिलों में उम्मीद और कर्तव्य की ज्योति जगाने का अवसर है। अंत में प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में लिखा, "राम हमें सिखाते हैं कि जब तक न्याय का मार्ग अपनाया जाएगा, सत्य की विजय निश्चित है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025:

NDA और महागठबंधन में सीएम फेस नहीं, सीट बंटवारे को लेकर खींचतान

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार की राजनीतिक रणनीतियाँ और गठबंधन में खींचतान ने चुनावी परिदृश्य को बेहद रोचक बना दिया है। 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए बिहार में दूसरे और आखिरी फेज के चुनाव की नॉमिनेशन प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो गई। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले फेज के लिए कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस बार चुनाव में 300 से अधिक प्रत्याशियों के पर्चे खारिज किए गए और 61 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। दूसरे फेज के लिए 122 सीटों पर मतदान 11 नवंबर को होगा, जबकि पहले फेज के 121 सीटों के लिए मतदान 6 नवंबर को निर्धारित है। इस बार दूसरे फेज के प्रत्याशियों की पूरी स्थिति 23 अक्टूबर तक स्पष्ट हो जाएगी। इस चुनाव में सबसे बड़ी चर्चा NDA और INDIA गठबंधन के बीच सीएम फेस को लेकर खींचतान की रही। दोनों तरफ से इस बार पहली बार कोई स्पष्ट सीएम फेस सामने नहीं आया। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों गठबंधन अपने-अपने दलों और नेताओं के बीच संतुलन बनाने में व्यस्त हैं और अंतिम निर्णय चुनावी रणनीति और सीटों के बंटवारे के आधार पर ही लिया जाएगा। INDIA गठबंधन यानी महागठबंधन में भी इस बार खींचतान स्पष्ट नजर आई। टिकट बंटवारे को लेकर अंदरूनी बगावत और नाराजगी दिखाई दी। खासकर RJD ने नॉमिनेशन की आखिरी प्रक्रिया में ही अपनी उम्मीदवारों की सूची जारी की। RJD ने नॉमिनेशन प्रक्रिया समाप्त होने से महज सात घंटे पहले 143 उम्मीदवारों की सूची जारी की, जबकि पहले इसके प्रत्याशी धीरे-धीरे नॉमिनेशन भरते रहे। इसके अलावा, कांग्रेस ने 61, CPI(M) ने 20, CPI ने 9, CPM ने 6 और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) ने 15 उम्मीदवार मैदान में उतारे। कुल मिलाकर 243 सीटों पर 254 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें 12 उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ भी खड़े हैं। इस बार का चुनाव इसलिए भी खास है क्योंकि NDA और महागठबंधन ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। पहले यह सामान्य प्रथा रही है कि गठबंधन में सभी दल मिलकर टिकट बंटवारे और चुनावी रणनीति पर चर्चा करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे। लेकिन इस बार सभी दलों ने नॉमिनेशन प्रक्रिया के अंतिम समय तक अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करने का रास्ता अपनाया। इससे यह स्पष्ट होता है कि गठबंधन में सभी दल अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में हैं और कोई भी दल सीएम फेस को लेकर जल्दी प्रतिबद्ध नहीं होना चाहता। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस बार का बिहार चुनाव बहुत ही चुनौतीपूर्ण और अनिश्चित है। NDA और महागठबंधन दोनों ही पक्षों में सीएम फेस की घोषणा नहीं होने से चुनाव का मुकाबला मुख्य रूप से

स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों की लोकप्रियता और पार्टी की संगठनात्मक ताकत पर निर्भर करेगा। RJD और VIP के बीच उम्मीदवारों की संख्या और सीट बंटवारे ने महागठबंधन के अंदरूनी समीकरणों को भी जटिल बना दिया है। इस बार NDA और महागठबंधन में टिकट बंटवारे को लेकर पारंपरिक रणनीति नहीं अपनाई गई। पहले अक्सर गठबंधन में सीटों का साझा बंटवारा तय करने के लिए कई दौर की बैठकें होती थीं और सीएम फेस पर भी दलों की सहमति रहती थी। लेकिन इस बार सब कुछ अंतिम समय तक लटक गया, जिससे चुनावी माहौल में अनिश्चितता बढ़ गई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि RJD ने अंतिम समय में लिस्ट जारी कर खुद को सशक्त दिखाने की कोशिश की है। वहीं, कांग्रेस, CPI और VIP ने भी अपनी-अपनी रणनीति के तहत उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। यह चुनाव यह भी दिखाएगा कि बिहार में राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन कितना स्थायी और प्रभावशाली साबित होता है। इसके अलावा, इस बार 12 उम्मीदवार ऐसे हैं जो एक ही सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। यह दर्शाता है कि गठबंधन के भीतर पूरी तरह से सीटों पर तालमेल नहीं बन पाया है।

राजनाथ सिंह बोले: सेना और पुलिस के मंच अलग लेकिन मिशन एक — राष्ट्रीय सुरक्षा

नई दिल्ली । पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार सुबह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा में पुलिस बलों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सुरक्षा का आधार केवल सीमाओं पर तैनात सैनिक नहीं, बल्कि देश के भीतर कर्तव्यनिष्ठ पुलिस बल भी हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं गृह मंत्री के रूप में कार्य करते हुए पुलिस विभाग के कार्यों को नजदीक से देखा है। उस दौरान उन्हें देशभर के पुलिस बलों की मेहनत, त्याग और समर्पण की गहराई को समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि आज रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें सेना की कार्यप्रणाली को भी देखने का अनुभव प्राप्त हुआ है। इन दोनों अनुभवों ने यह सच्चाई स्पष्ट कर दी है कि चाहे वर्दी अलग हो, मंच अलग हो, लेकिन इनका लक्ष्य एक ही है — भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे देश की सेना और पुलिस दोनों ही सुरक्षा के प्रहरी हैं। एक देश की सीमाओं की रक्षा करता है तो दूसरा देश के भीतर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा, "दुश्मन चाहे कोई भी हो — वह सीमा पार से आने वाला आतंकी हो या हमारे बीच छिपा अपराधी — भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा हर जवान एक ही भावना से प्रेरित होता है, और वह है राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा।" रक्षा मंत्री ने पुलिसकर्मियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि अक्सर जब पूरा देश त्योहारों में व्यस्त होता है, तब हमारे पुलिस जवान अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। वे अपने परिवार से दूर रहकर देशवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का यह त्याग और अनुशासन राष्ट्र निर्माण की नींव को मजबूत करता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज पुलिस बलों के सामने नई चुनौतियाँ हैं — साइबर अपराध, नशा तस्करी, संगठित अपराध और आतंकवाद जैसे खतरों से

निपटना अब पहले से अधिक जटिल हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार पुलिस बलों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त बना रही है ताकि वे इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। अपने संबोधन के अंत में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सुरक्षा बहुआयामी है, और इसके लिए सेना, पुलिस, अर्धसैनिक बल और खुफिया एजेंसियाँ सभी एक सूत्र में बंधे हैं। उन्होंने कहा, "सेना और पुलिस भले ही अलग-अलग मंचों पर कार्य करती हों, परंतु उनका मिशन एक ही है — राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता की रक्षा।" उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।

एयरफोर्स रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर, चीन की मीडिया तिलमिलाई

-बोला- कागजों पर नहीं, असली युद्ध क्षमता से तय हो ताकत

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की सबसे ताकतवर एयरफोर्स की नई रैंकिंग में भारत ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय वायुसेना (IAF) को तीसरा स्थान मिला है। इस सूची में अमेरिका पहले और रूस दूसरे स्थान पर हैं, जबकि चीन चौथे स्थान पर पहुंच गया है। यह खबर जैसे ही सामने आई, चीन के सरकारी मीडिया में हलचल मच गई। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने इस रैंकिंग पर सवाल उठाते हुए इसे "कागजों की रैंकिंग" बताया। अखबार ने चीनी सैन्य विशेषज्ञ झांग जुन्शे के हवाले से लिखा कि ऐसी सूचियों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। झांग ने कहा कि किसी भी देश की सैन्य ताकत केवल वास्तविक युद्ध क्षमता से आंकी जानी चाहिए, न कि आंकड़ों या रिपोर्टों के आधार पर। ग्लोबल टाइम्स ने अपने लेख में यह भी लिखा कि भारतीय वायुसेना के पास मौजूद कई विमान और उपकरण अमेरिका, रूस और अन्य देशों से खरीदे गए हैं। इस पर टिप्पणी करते हुए अखबार ने कहा कि इससे भारत की विदेश नीति और सुरक्षा नीति की जटिलता झलकती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति के लिए बाहरी देशों पर निर्भर है। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी वायुसेना को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया है। राफेल, तेजस और सुखोई जैसे विमानों ने भारतीय वायुसेना की ताकत कई गुना बढ़ा दी है। इसके अलावा, स्वदेशी तकनीक और रक्षा उत्पादन में भारत लगातार आत्मनिर्भर बनता जा रहा है। चीन के विशेषज्ञों ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिकी और भारतीय मीडिया इस रैंकिंग को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं ताकि चीन और भारत के बीच प्रतिस्पर्धा को और हवा दी जा सके।

नवी मुंबई में भीषण आग: एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

-6 साल की बच्ची भी शामिल

मुंबई। नवी मुंबई के वाशी इलाके में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। सेक्टर 14 स्थित रहेजा रेजिडेंसी बिल्डिंग में भीषण आग लग गई, जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 6 साल की बच्ची भी शामिल है। इस हादसे में 10 से ज्यादा लोग झुलस गए, जबकि 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार, आग इमारत की 10वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और 11वीं तथा 12वीं मंजिल तक फैल गई। आग की लपटें और धुआं पूरे बिल्डिंग में फैल गया, जिससे कई लोग अपने घरों में फंस गए। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को खबर दी। नवी मुंबई महानगरपालिका के फायर विभाग के मुताबिक, सूचना मिलते ही वाशी, नेरुल, ऐरोली और कोपरखैराने से कई फायर इंजन मौके पर भेजे गए। दमकलकर्मियों ने पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घनी आबादी और ऊँची इमारत होने के कारण राहत कार्य में मुश्किलें आईं, लेकिन टीमों ने बहादुरी के साथ काम किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल अधिकारियों के अनुसार, आग की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। मौके पर पुलिस और फायर विभाग के अधिकारी जांच में जुटे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के समय बिल्डिंग में अफरा-तफरी मच गई थी। धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ हो

रही थी और कई लोग घबराहट में बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। फायर ब्रिगेड ने सीढ़ियों और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से फंसे लोगों को बाहर निकाला। कुछ लोगों को बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया। वाशी के एक अस्पताल में झुलसे हुए लोगों का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। स्थानीय पार्षद और नवी मुंबई के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। फायर विभाग ने अपील की है कि ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग अपने फ्लैट्स में नियमित रूप से बिजली व्यवस्था और फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच करवाएं, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची:

-मजबूत सेना और संविधान संशोधन की समर्थक

टोक्यो (एजेंसी)। जापान ने मंगलवार को इतिहास रचा, जब साने ताकाइची देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उन्हें संसद के निचले सदन में 237 वोटों से जीत मिली, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को केवल 149 वोट मिले। इसके बाद ऊपरी सदन में भी उन्हें चुना गया, जहां पहले दौर में बहुमत से केवल एक वोट कम होने के बावजूद, दूसरे दौर में उन्होंने आसानी से 125-46 वोटों से जीत हासिल की। प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया के कई नेताओं ने उन्हें बधाई दी, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शामिल हैं। ताकाइची ने जापान की राजनीति में अपनी पहचान एक मजबूत और निर्णायक नेता के रूप में बनाई है। वह दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की करीबी समर्थक रही हैं और उनकी नीतियों का अनुसरण करती हैं। ताकाइची सख्त आव्रजन नीतियों, मजबूत सेना और जापान के शांतिवादी संविधान में संशोधन की वकालत करती हैं। उनका मानना है कि जापान को वैश्विक स्तर पर अपनी सुरक्षा और आर्थिक स्थिति मजबूत करनी चाहिए। साने ताकाइची ने LDP (लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी) का नेतृत्व इस महीने की शुरुआत में संभाला था। उन्होंने 2021 और 2024 में भी प्रधानमंत्री बनने का प्रयास किया था, लेकिन उस समय उन्हें पर्याप्त सांसदों का समर्थन नहीं मिल पाया था। इस बार, उन्होंने कमजोर गठबंधन के बावजूद महत्वपूर्ण समर्थन जुटाकर अपनी जीत सुनिश्चित की। उनकी प्रधानमंत्री बनने की जीत जापान में महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों और नेतृत्व में भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। ताकाइची का नेतृत्व जापान की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नीतियों में बदलाव ला सकता है, खासकर सुरक्षा, आर्थिक और आव्रजन क्षेत्रों में। उनका चुनाव जापान की राजनीति में स्थिरता और नई दिशा के संकेत भी देता है।

ट्रम्प ने चीन को दी चेतावनी: समझौता करो या टैरिफ बढ़ाओ 155% तक

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि यदि उसने जल्द ही व्यापार समझौता नहीं किया, तो उसे 155% तक टैरिफ चुकाना पड़ सकता है। वर्तमान में चीन पर 55% टैरिफ लागू है। ट्रम्प ने यह बयान सोमवार को व्हाइट हाउस में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ बैठक के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले कई देशों के व्यापारिक लाभ के लिए नरम पड़ता रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उनका कहना था कि अमेरिका का हित सर्वोपरि है और कोई भी देश इसका फायदा नहीं उठा सकता। ट्रम्प ने विशेष रूप से चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 1 नवंबर तक व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो टैरिफ बढ़ाने का विकल्प उनके पास है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका चीन के साथ एक उचित और संतुलित व्यापार समझौते की दिशा में काम करना चाहता है। इसके अलावा, उन्होंने संकेत दिया कि हाल ही में चीन ने रेयर अर्थ मटेरियल्स की आपूर्ति पर रोक लगाई थी, जो वैश्विक व्यापार के लिए चिंता का विषय बन सकता है। ट्रम्प ने यह भी जानकारी दी कि वे शी जिनपिंग से जल्द ही दक्षिण कोरिया में मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को सुधारने और साझा हितों पर समझौता करने के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि यह मुलाकात दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित होगी और व्यापारिक तनाव को कम करने में मदद करेगी।

दिल्ली-NCR में हवा फिर जहरीली:

-सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद रातभर आतिशबाजी से AQI 400 पार

नई दिल्ली । दीवाली की रात जहां पूरे देश में खुशियों का माहौल था, वहीं दिल्ली-NCR में लोगों की लापरवाही ने एक बार फिर हवा को जहर बना दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए लोगों ने रातभर जमकर पटाखे फोड़े, जिसका नतीजा यह हुआ कि मंगलवार की सुबह राजधानी और आसपास के इलाकों में धुंध की मोटी चादर छा गई। हवा में प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया कि सांस लेना भी मुश्किल हो गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार देर रात दिल्ली का ओवरऑल एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 344 से ऊपर चला गया था। रात 10 बजे तक ही स्थिति बिगड़ने लगी थी, और रात 12 बजे के बाद यह स्तर कई इलाकों में "गंभीर" श्रेणी में पहुंच गया। द्वारका में AQI 417, अशोक विहार में 404, वजीरपुर में 423 और आनंद विहार में 404 दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह जब लोग उठे तो आसमान में घना धुआं और धुंध नजर आई। अक्षरधाम, आईटीओ, एम्स जैसे प्रमुख इलाकों में सुबह 8 बजे AQI 300 के ऊपर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में मौजूद 38 मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 36 स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता "रेड जोन" में पाई गई। इसका मतलब यह है कि राजधानी की हवा बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी थी।

हरियाणा के 15 जिलों में हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित-

दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा में भी स्थिति चिंताजनक रही। सोमवार रात 12 बजे तक राज्य के 15 जिलों में AQI 500 तक पहुंच गया, जो खतरनाक स्तर माना जाता है। मंगलवार सुबह तक भी हवा की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। रोहतक में AQI 320, नारनौल में 311 और बहादुरगढ़ में 306 रिकॉर्ड किया गया। इससे साफ है कि NCR का बड़ा हिस्सा जहरीली हवा की चपेट में आ चुका है।

राजस्थान में भी प्रदूषण का असर-

राजस्थान में भी दीवाली की रात के बाद प्रदूषण का स्तर बढ़ा। मंगलवार सुबह 8 बजे तक राज्य का ओवरऑल AQI 243 रिकॉर्ड किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। भिवाड़ी में सबसे ज्यादा 318 AQI दर्ज किया गया, जो राज्य में "बहुत खराब" श्रेणी में आता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी-

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में दीवाली के दिन रात 8 बजे से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि किसी भी अन्य प्रकार के पटाखे चलाना या तय समय सीमा से अधिक देर तक पटाखे फोड़ना दंडनीय अपराध होगा। बावजूद इसके, लोगों ने आदेशों की परवाह नहीं की और देर रात तक आतिशबाजी करते रहे।

दिल्ली पुलिस और प्रशासन ने कई जगहों पर कार्रवाई की, लेकिन बड़े पैमाने पर नियमों की अनदेखी की गई। सोशल मीडिया पर लोगों ने खुद स्वीकार किया कि उनके इलाकों में रात 12 बजे तक आतिशबाजी होती रही। इसके चलते हवा में प्रदूषण का स्तर अचानक कई गुना बढ़ गया।

स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर-

विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्तर का प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,